CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 16 ता. 10 जूलाई 2021, शनिवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच

पीएम मोदी ने दिया देश भर में 1500 ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देश में मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हाईलेवल मीटिंग की और 1,500 ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने का आदेश दिया। इन प्लांट्स को देश भर के अलग-अलग हिस्सों में स्थापित किया जाएगा। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में अधिकारियों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि ये जल्दी से जल्दी काम करना सुनिश्चित कर दें। इसके साथ ही मीटिंग में पीएम मोदी ने हॉस्पिटल स्टाफ को ऑक्सीजन प्लांट के संचालन और रखरखाव के लिए जरूरी ट्रेनिंग दिए जाने पर भी जोर दिया। इन ऑक्सीजन प्लांट्स की फंडिंग पीएम केयर्स फंड से की जाएगी। इससे देश में 4 लाख ऑक्सीजन बेड तैयार करने में मदद मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस अहम मीटिंग में कहा कि हर जिले में ऐसे कुछ लोग होने चाहिए, जिन्हें ऑक्सीजन प्लांट्स के संचालन और रखरखाव के लिहाज से ट्रेनिंग दी जाए। भारत में मार्च से लेकर मई तक चली कोरोना की दूसरी लहर में बड़े पैमाने पर कोरोना के केस मिले थे। यही नहीं पहली लहर के मुकाबले इस बार ऑक्सीजन की कमी के मामले बहुत ज्यादा देखने को मिले थे। वहीं मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु समेत देश के तमाम शहरों में मेडिकल ऑक्सीजन, वेंटिलेटर बेड्स आदि तक की कमी पड़ गई थी। सरकार को भी काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। शायद यही वजह है कि तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच पीएम मोदी ने यह मीटिंग की है और जल्दी से जल्दी ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित करने का आदेश दिया है। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में कहा कि केंद्र सरकार के अधिकारियों को राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए और यह तय करना चाहिए कि अस्पतालों के स्टाफ की सही ट्रेनिंग हो सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकारों को नई तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर ऑक्सीजन प्लांट्स के कामकाज की मॉनिटरिंग की जा सके। कैबिनेट फेरबदल के बाद पीएम मोदी की कोरोना पर पहली मीटिंगइस मीटिंग के दौरान अधिकारियों ने पीएम नरेंद्र मोदी को बताया कि उनका देश भर में 8,000 लोगों को ट्रेनिंग देने का टारगेट है। कैबिनेट के फेरबदल और विस्तार के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से कोरोना को लेकर यह पहली हाई लेवल मीटिंग थी। बता दें कि कैबिनेट फेरबदल के तहत हेल्थ मिनिस्टर डॉ. हर्षवर्धन को हटा दिया गया है और यह जिम्मेदारी अब मनसुख मांडविया को दी गई है।

देश में अभी तक 36.89 करोड़ लोगों को लगा कोरोना सुरक्षा टीका

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए मोदी सरकार लगातार टीकाकरण अभियान चला रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि देश में अभी तक कोविड-19 रोधी 36.89 करोड़ टीके लग चुके हैं। 11.18 करोड़ से अधिक टीके 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों को लगे हैं। 40 लाख से अधिक टीके पिछले 24 घंटों में लगाए गए। टीकाकरण अभियान के 174वें दिन (आठ जुलाई) कुल 40,23,173 टीके लगाए गए। इनमें से 27,01,200 लोगों ने टीके की पहली खुराक ली और 13,21,973 ने टीके की दूसरी खुराक ली। बृहस्पतिवार को 18 से 44 आयु वर्ग में 20,31,634 ने टीके की पहली खुराक ली और 1,79,901 ने टीके की दूसरी खुराक ली। सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 18-44 आयु वर्ग में कुल मिलाकर 10,84,53,590 लोगों ने पहली खुराक ली और 33,79,213 ने दूसरी खुराक ली। आठ राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, बिहार, गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 18-44 आयु वर्ग में 50 लाख से अधिक लोगों ने कोविड-19 की पहली खुराक ले ली है।

पहला कॉलम

वॉट्सएप की अकड़ पड़ी ढ़ीली, नई निजता नीति अपनाने के लिए बाध्य नहीं करेगा

नई दिल्ली । सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सएप ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में बताया कि जब तक डाटा संरक्षण विधेयक प्रभाव में नहीं आता, तब तक वह यूजर्स को नई निजता नीति अपनाने के लिए बाध्य नहीं करेगा। फिलहाल इस नीति पर अभी रोक लगा दी गई है। वॉट्सऐप ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के समक्ष साफ किया कि इस बीच वह नई निजता नीति को नहीं अपनाने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोग के दायरे को सीमित नहीं करेगा। वॉट्सएप ने अपने जबाव में बताया कि मुझे मेरी नीति के साथ इजाजत मिली,तब मैं भारत में काम करूंगा, वरना अपनी दुकान बंद कर लूंगा। वॉट्सएप की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा, हम स्वत:-ही इस (नीति) पर रोक लगाने के लिए तैयार हैं। हम लोगों को इस स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं करने वाले है। साल्वे ने कहा कि इसके बावजूद वॉट्सएप अपने उपयोगकर्ताओं के लिए अपडेट का विकल्प दर्शाना जारी रखेगा। अदालत फेसबुक और उसकी सहायक कंपनी वॉट्सएप की अपीलों पर सुनवाई कर रही है जो वॉट्सऐप की नई निजता नीति के मामले में जांच के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करने के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दाखिल की गयी हैं।

नेजल स्प्रे: तीसरे चरण का ट्रायल करेगी ग्लेनमार्क

नई दिल्ली। ग्रेलमार्क फार्मास्यूटिकल्स एक नेजल (नाक से लिया जाने वाला) स्प्रे के तीसरे चरण के ट्रायल करेगी, जिसे कोरोना वायरस के इलाज में प्रभावी बताया जा रहा है। कंपनी ने पिछले सप्ताह भारतीय औषधि नियामक से इस स्प्रे के निर्यात और मार्केटिंग की अनुंति मांगी थी। हालांकि, औषधि नियामक के तहत आने वाले विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने कंपनी को स्प्रे के तीसरे चरण का ट्रायल कराने की सलाह दी थी। इस नेजल स्प्रे के लिए ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स ने कनाडा की कंपनी सैनोटाइज के साथ हाथ मिलाया है। कंपनी कह चुकी है कि वह अन्य उत्पादों के लिए इन-लाइसेंसिंग का मूल्यांकन करना जारी रखेगी। कंपनी ने कहा, %कोविड-19 के खिलाफ जंग में हम हमेशा से अग्रिम मोर्चे पर तैनात रहे हैं, जिसका एक उदाहरण फैबिफ्लू है जिसे कोरोना के हल्के से मध्यम मरीजों और चिकित्सकों की ओर से खूब समर्थन मिला। सैनोटाइज और अन्य कंपनियों के साथ भागीदारी को लेकर ग्लेनमार्क ने कहा कि हम भारत की जनता को कोविड-19 से सुरक्षित करने के लिए सैनोटाइज समेत अन्य कंपनियों के साथ भागीदारी के अवसर तलाश रहे हैं। बता दें कि सैनोटाइज पहले ही कुछ अन्य देशों में इस नेजल स्प्रे को लॉन्च कर चुकी है। इसे लेकर दावा किया जा रहा है कि यह कोरोना वायरस संक्रमण के एंटीवायरल इलाज में काफी प्रभावी है।

उत्तर भारत में गर्म हवाओं का प्रकोप जारी, 10 जुलाई तक बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। मानसून के आगमन में देरी के चलते उत्तर भारत में गर्म हवाओं का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 10 जुलाई तक बारिश संबंधी हवाएं पूरे क्षेत्र को अपने आगोश में ले लेंगी। दिल्ली में पड़ रही भीषण गर्मी से शहरवासियों को राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग ने शहर में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है। वहीं, पंजाब और हरियाणा के लोगों को गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दोनों राज्यों में कई स्थानों पर बृहस्पतिवार को पारा सामान्य से कई डिग्री अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक हरियाणा के गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से छह डिग्री अधिक है। इसके अलावा अंबाला, हिसार और करनाल में भी अधिकतम तापमान क्रमशः 40.8 डिग्री, 42.8 डिग्री और 39.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक है। इसी प्रकार राज्य के नारनौल और रोहतक में भी अधिकतम तापमान क्रमशः 43.3 डिग्री और 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब के अमृतसर, लुधियाना और पटियाला में अधिकतम तापमान क्रमशः 40 डिग्री, 39.3 डिग्री और 41.4 डिग्री रहा जो सामान्य से छह डिग्री अधिक है। वहीं बठिंडा में सामान्य से तीन डिग्री अधिक 40.4 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

बांग्लादेश की एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग 52 लोगों की दर्दनाक मौत

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश की एक फैक्ट्री में शुक्रवार को भीषण आग लग गई, जिसमें 52 लोगों की मौत हो गई। इस भयंकर आग में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। आग इतनी भयानक थी कि कई मजदूर अपनी जान बचाने के लिए ऊपरी मंजिल से नीचे कूद गए। बताया गया है कि दर्जनों अभी भी लापता हैं। वहीं फैक्ट्री के बाहर सैकड़ों की संख्या में मजदूरों के रिश्तेदार चिंतित और परेशान अपनों का इंतजार कर रहे हैं। इन सभी को अंदेशा है कि अंदर फंसे लोगों का बच पाना मुश्किल होगा। इस फैक्ट्री में नूडल्स, फ्रूट जूस और कैंडी बनाई जाती है। जिस वक्त फैक्ट्री में आग लगी तब यहां 1000 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे। हालांकि आग लगने के बाद इनमें से अधिकांश लौट गए। रात में मरने वालों की संख्या तीन बताई गई थी। लेकिन जैसे ही बचावकर्मी तीसरी मंजिल पर पहुंचे अचानक से मृतकों की संख्या बढ़ने लगी। तीसरे तल पर बचावकर्मियों को 49 कर्मचारियों के शव मिले। फायर सर्विस के प्रवक्ता देबाशीष बर्धन के मुताबिक सीढ़ी पर लगे एग्जिट डोर बंद थे। इस वजह से कर्मचारी छतों की तरफ नहीं भाग सके। वहीं निचले तल पर तेज आग धधक रही थी, इसलिए वह नीचे भी नहीं जा सके। जलकर मरे लोगों को एंबुलेंस के जरिए मर्चरी ले जाया गया। इस बीच गली में खड़े लोगों ने नारेबाजी की और रास्ता भी रोकने का प्रयास किया। इनमें से कुछ ने पुलिस अफसरों से उलझने की भी कोशिश की। उन्हें हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग भी करना पड़ा। वहीं इमरजेंसी सेवा के लोग पांचवें और छठवें तल पर आग रोकने के प्रयास में लगे थे। फायर सर्विस के प्रवक्ता देबाशीष बर्धन ने कहा कि आग पर काबू पाने के बाद, हम अंदर खोज और बचाव अभियान चलाएंगे। तभी हम किसी और के हताहत होने की पुष्टि कर सकते हैं। ढाका फायर चीफ दीनू मोनी शर्मा ने बताया कि तीव्र ज्वलनशील केमिकल्स और प्लास्टिक भारी मात्रा में अंदर रखा गया था। इसके चलते ही फैक्ट्री में आग लगी। आग से बचने वाले फैक्ट्री के कर्मचारी मोहम्मद सैफुल ने कहा कि आग लगने के समय अंदर दर्जनों लोग थे।

एक्शन में सीएम योगी खीरी में महिला से बदसलूकी मामले में सीओ और इंस्पेक्टर सस्पेंड

लखीमपुर (एजेंसी) ।

लखीमपुर खीरी में नामांकन के दौरान हुए बवाल और महिला प्रस्ताव से बदसलूकी मामले में सीएम योगी ने कड़ा रुख अपनाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएम योगी ने सीओ मोहम्मदी और पसगवां इंस्पेक्टर को तत्काल सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार सुबह टीम-9 की बैठक में सीएम योगी ने आदेश जारी किए हैं। सीएम योगी ने कहा मामले की पूरे मामले की जांच जाएगी। इसके आदेश भी दे दिए गए हैं। अन्य आरोपियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर तैनात जिम्मेदारी अधिकारियों और माहौल बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। सीएम योगी ने कहा कि किसी भी दशा में माहौल खराब करने की एक भी कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही सीएम योगी ने अतिरिक्त पुलिस बल और सतर्कता और संवेदनशीलता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि असलहा आदि का प्रदर्शन करने वालों के हथियार जब्त करके आवश्यक कार्रवाई भी की जाए। उधर दूसरी ओर महिला प्रस्ताव से बदसलूकी मामले में लखीमपुरखीरी डीएम अरविंद कुमार चौरसिया ने कहा कि शासन के आदेश के बाद जिला स्तर से मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मामले को लेकर चुनाव आयोग को भी एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी गई है। जांच के लिए दो लोगों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई जारी है। ब्लॉक प्रमुख चुनाव के नामांकन के आखिरी दिन यूपी के कई जिलों में बवाल हुआ था। नामांकन से पहले सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं में जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई। लखीमपुर खीरी में भी भाजपा-सपा समर्थक आपस में भिड़ गए। यहां महिला प्रस्ताव से बदसलूकी भी की गई। महिला से बदसलूकी खबर ने तूल पकड़ लिया। मामला शासन तक पहुंचा तो सीओ और इंस्पेक्टर पर गाज गिर गई।

फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कर सकते हैं सामाजिक ध्रुवीकरण: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कड़े लहजे में कहा, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में लोगों को प्रभावित करने की ताकत होती है और इन प्लेटफॉर्मों पर बहस और पोस्ट में समाज का ध्रुवीकरण करने की क्षमता हो सकती है, क्योंकि समाज के कई सदस्यों के पास इसकी सत्यता की पुष्टि करने के लिए संसाधन नहीं होते हैं। दिल्ली दंगों को लेकर कथित भूमिका को लेकर दिल्ली विधानसभा समिति की ओर समन दिए जाने के खिलाफ फेसबुक इंडिया के वाइस प्रेसीडेंट अजीत मोहन की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी की। साथ ही कहा कि दिल्ली फरवरी, 2020 के सांप्रदायिक दंगों की पुनरावृत्ति को बर्दाश्त नहीं कर सकती है। लिहाजा इस संबंध में सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक की भूमिका की जांच की जानी चाहिए। जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस ऋषिकेश रॉय की पीठ ने 188 पन्नों के फैसले में कहा, फेसबुक के भारत में 27 करोड़ यूजर्स हैं। ऐसे में उसे जवाबदेह होना ही होगा। फेसबुक को बोलने की आजादी के लिए गंभीर भूमिका निभाई है। हर आवाजों को अपने प्लेटफॉर्म पर जगह दी है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि यह विघटनकारी संदेशों, आवाजों और विचारधाराओं का मंच बन जाए। उसे इन तथ्यों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दिल्ली विधानसभा फेसबुक और उसके अधिकारियों से दिल्ली दंगों में उसकी कथित भूमिका के बारे में जानकारी मांग सकती है, लेकिन वह कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर नहीं मांगी जा सकती और अभियोजक के रूप में कार्य नहीं कर सकती है।

कोरोना मामलों में भारत के अधिकतर राज्यों में दिखी गिरावट

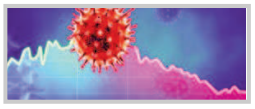

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के अधिकांश राज्यों में कोरोना वायरस के मामलों में गिरावट देखी गई। यहां तक कि इनमें से कुछ स्थानों पर एक्टिव केसलोड अधिक बना हुआ है। केरल को छोड़कर, महाराष्ट्र सहित अन्य सभी राज्यों में सक्रिय मामलों के साथ ताजा मामलों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह 8 बजे अपडेट किए गए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुलेटिन के अनुसार, इस समय सबसे अधिक मामलों वाले शीर्ष पांच राज्य- महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश हैं। महाराष्ट्र में 1,17,698 एक्टिव मामले हैं। इधर, केवल महाराष्ट्र और केरल में क्रमशः मौतों के 439 और 142 के आंकड़े के साथ मौतों की संख्या में भी गिरावट आई है। जहां तक वायरस के खिलाफ टीकाकरण की बात है, उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 2,98,96,371 खुराकों के साथ लोगों को टीका लगाया गया। महाराष्ट्र (2,80,46,874), गुजरात (2,11,86,487) और कर्नाटक (2,03,55,148) वैक्सीन लगाए जाने के साथ टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। पूरे भारत की बात करें तो भारत में गुरुवार को 55 दिनों के बाद नए केसों की संख्या रिकवर होने वाले लोगों से ज्यादा हो गई थी। इसके चलते कुल एक्टिव केसों में भी इजाफा हुआ था। लेकिन शुक्रवार को एक बार फिर से इसमें कमी देखने को मिली है। पिछले एक दिन में कोरोना संक्रमण के 43,393 नए केस मिले हैं। इसके अलावा इसी अवधि में 44,459 लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं। यही नहीं कुल एक्टिव केस जो 4.60 लाख के पार पहुंच गए थे, उनमें भी कमी आई है। अब देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 4,58,727 ही रह गए हैं। हालांकि मौतों का आंकड़ा डराने वाला है। बीते एक दिन में 911 लोगों की मौत हो गई है। इससे पहले गुरुवार को यह आंकड़ा 850 के करीब ही था। ऐसे में एक तरफ नए केस घटे हैं तो उसके अनुपात में मौतों की संख्या कम होने की बजाय बढ़ गई है, जो डराने वाला आंकड़ा है।

भारत में निर्मित कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन को लेकर एक सुखद सूचना

भारतीय कोवैक्सीन को जल्द ही डब्ल्यूएचओ से मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कोरोना से बचाव के लिए एकमात्र विकल्प कोविडरोधी टीका है। अब भारत में निर्मित कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन को लेकर एक सुखद सूचना आ रही है। कोवैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से कोवैक्सिस को लेकर सकारात्मक बातें कही गई हैं। डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक डॉ। सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि फेज 3 के ट्रायल के अच्छे नतीजे रहने के बाद इसे मान्यता दी जा सकती है। स्वामीनाथन ने कहा कि कोवैक्सीन के अंतिम चरण के ट्रायल के नतीजे सही लग रहे हैं। यह इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ एजेंसी के सुरक्षा मानकों के पैमाने पर खरी उतरती दिखाई दे रही है।

एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में डॉ। सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि इसकी प्रभावकारिता काफी अच्छी दिख रही है। उन्होंने कहा कि कोवैक्सीन की सुरक्षा प्रोफाइल को देखा जाए तो वह डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा करता नजर आ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल उन टीकों पर कड़ी नजर रखी जा रही है जिन्हें इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देखे तो कोरोना के मामलों में कमी जरूर दिख रही है लेकिन मौत के आंकड़े भी ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में कम से कम 60 से 70 फीसदी आबादी का टीकाकरण करना फिलहाल में सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इससे पहले भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके कोवैक्सीन को जल्दी ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से आपातकालीन उपयोग की अनुमति मिल सकती है। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी थी। भारत बायोटेक की संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा एला ने कहा कि आपातकालीन उपयोग सूची (ईयूल) अब लंबी प्रक्रिया नहीं है क्योंकि वैश्विक स्वास्थ्य निकाय द्वारा टीका निर्माता की अधिकतर इकाइयों का अंकेक्षण कर लिया गया है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि हम कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग की सूची में शामिल करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ से मंजूरी की प्रक्रिया लंबी होने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि ईयूएल प्रक्रिया कोवैक्सीन को वैश्विक स्वीकृति पर अंतिम निर्णय से एक कदम दूर है।उन्होंने कहा कि 12 महीनों में 10 वैज्ञानिक प्रकाशनों के साथ, कोवैक्सीन उन कुछ टीकों में से एक है, जिनके विस्तृत आंकड़े विश्व स्तर पर प्रसिद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन कोविड-19 के लक्षण वाले मामलों के खिलाफ 77.8 प्रतिशत और नये डेल्टा स्वरूप के खिलाफ 65.2 प्रतिशत प्रभावी है। कंपनी ने बताया कि उसने तीसरे चरण के परीक्षणों में कोवैक्सीन की क्षमता का अंतिम आकलन पूरा कर लिया है। प्रभावकारिता का आकलन दर्शाता है कि कोवैक्सीन गंभीर लक्षण संबंधी कोविड-19 मामलों के खिलाफ 93.4 प्रतिशत प्रभावी है जबकि सुरक्षा विश्लेषण दिखाते हैं कि सामने आईं प्रतिकूल घटनाएं बिलकुल वैसी ही थीं जैसी प्रयोगों में दी जाने वाली अहानिकारक दवाओं (प्लेसीबो) को देने पर देखने को मिलती हैं जहां 12 प्रतिशत प्रतिभागियों में आम दुष्प्रभाव देखने को मिले और 0.5 प्रतिशत से भी कम लोगों में गंभीर दुष्प्रभाव दिखे।

शहर स्थित टीका निर्माता की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रभाव संबंधी आंकड़ों में सामने आया कि बिना लक्षण वाले कोविड-19 के खिलाफ यह 63.6 प्रतिशत सुरक्षा देता है। टीके के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण भारत के 25 स्थानों पर किए गए जिनमें दूसरी खुराक लेने के कम से कम दो सप्ताह बाद सामने आए 130 लाक्षणिक कोविड-19 मामलों का स्थिति आधारित विश्लेषण किया गया।

केजरीवाल सरकार तैयार कर रही ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका में दिल्ली फिर होगी लॉकडाउन?

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका ने केजरीवाल सरकार की चिंताएं बढ़ा दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए 'ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान' को मंजूरी दी गई है। दिल्ली सरकार की एक समिति ने कोविड की संभावित तीसरी लहर से निबटने के लिए रंगों के कोड की प्रणाली तैयार की है जो चरणबद्ध प्रतिक्रिया के कदम सुझाएगी मसलन उच्चतम अलर्ट वाले 'लाल' स्तर पर ज्यादातर आर्थिक गतिविधियों को बंद कर देना। केजरीवाल ने हिंदी में ट्वीट किया, 'आज डीडीएमए की बैठक में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान पास किया गया। कब लॉकडाउन लगेगा और कब क्या खुलेगा, इसे लेकर अब संशय की स्थिति नहीं रहेगी। बैठक में कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस स्वरूप को लेकर भी बात हुई। इस स्वरूप को हमें दिल्ली में फैलने से रोकना है जिसके लिए सरकार हर ज़रूरी कदम उठा रही है।' अलर्ट के चार विविध स्तर 'कलर कोड' के जरिए बताए जाएंगे जिनमें लगातार दो दिन की संक्रमण दर, एक हफ्ते में संक्रमण के कुल नए मामले और एक हफ्ते में औसतन कितने ऑक्सीजन बेड भरे, इन आधारों पर फैसला लिया जाएगा। चरणबद्ध कदमों में वैश्विक महामारी की गंभीरता के आधार पर अलर्ट के स्तर के मुताबिक आर्थिक गतिविधियां रोकना शामिल है। अलर्ट के सभी चार स्तर में आवश्यक वस्तुओं की दुकानें और प्रतिष्ठान खुल सकेंगे एवं आवश्यक सेवाएं सुचारू रूप से संचालित होती रहेंगी।

हमारी सरकार आई तो शहीद होने वाले किसानों के परिजनों को मिलेगी सरकारी नौकरी : सुखबीर बादल

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

केंद्र में भाजपा नीत मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों को लेकर किसान संगठनों का आंदोलन विगत 7 महीनों से निरंतर चल रहा है। कृषि कानूनों को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में देखी जा रही है। अलग-अलग किसान संगठनों का दावा है कि किसान आंदोलन में कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है। पंजाब में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं। ऐसे में वहां की राजनीति में किसान और किसानों के मुद्दे उठ रहे हैं। किसान आंदोलन के विरोध में शिरोमणि अकाली दल ने भाजपा के साथ अपना पुराना गठबंधन भी तोड़ लिया।

इन सबके बीच शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल ने बड़ा ऐलान किया है। सुखबीर सिंह बादल ने कहा है कि किसान आंदोलन में पिछले 7 महीने में कई किसान अपनी जान दे चुके हैं। अगर पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी की सरकार आती है तो जिन लोगों ने इस संघर्ष में अपनी शहादत दी है, उस परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। खबर के मुताबिक सुखबीर बादल ने कहा कि उस परिवार के सभी बच्चों को पोस्ट ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई मुफ्त दी जाएगी और उस परिवार का मेडिकल इंश्योरेंस किया जाएगा। मालूम हो कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर किसान 7 महीनों से डटे हुए हैं। किसानों की लगातार मांग कृषि कानूनों को निरस्त करने की है जबकि सरकार बातचीत को तैयार है लेकिन वह पूरी तरह से कृषि कानूनों को निरस्त करने के पक्ष में नहीं है।

क्वाड देशों की बैठक की मेजबानी करेंगे बाइडेन, पीएम मोदी के शामिल होने की खबर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन साल 2021 में क्वाड के देशों के साथ बैठक कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की खबर है। बैठक की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति खुद करने वाले है। लोकतांत्रिक देशों के समूह क्वाड में भारत, अमेरिका के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल है। बैठक कब होगी, अभी इसकी तारीख को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। वहीं बैठक में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की भी आमने-सामने मुलाकात होगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अमेरिकी कोऑर्डिनेटर कर्ट कैंपबेल ने बैठक से संबंधित घोषणा मंगलवार को एशिया सोसाइटी थिंक-टैंक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की। कर्ट कैंपबेल ने कहा कि यह बैठक वैक्सीन कूटनीति और बुनियादी ढांचे में 'निर्णायक' प्रतिबद्धता लाएगा। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि इस शिखर सम्मेलन को भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध के साथ जोड़ा जा सकता है या नहीं। पिछले शिखर सम्मेलन में, क्वाड देशों ने इंडो-पैसिफिक देशों के बीच 2022 में एक अरब जॉनसन एंड जॉनसन खुराक वितरित करने का संकल्प लिया था। बता दें कि क्वाड शिखर सम्मेलन चार सदस्य देशों के प्रतिनिधि 2007 में इसकी स्थापना के बाद से समय-समय पर मिलते रहे हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ ने इज़राइल के उप-प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इज़राइल के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल (रेस) बेंजामिन गैंट्ज़ के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। राजनाथ सिंह ने लेफ्टिनेंट जनरल (रेस) बेंजामिन गैंट्ज़ को इज़राइल का उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्रीका कार्यभार संभालने पर बधाई दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने टेलीफोन पर बातचीत के बाद एक ट्वीट में,कहा कि वह रक्षा सहयोग को मजबूत बनाने और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए इजराइल के साथ मिलकर काम करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। राजनाथ सिंह ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए इज़राइल द्वारा भारत को प्रदान की गई सहायता के लिए भी लेफ्टिनेंट जनरल (रेस)बेंजामिन गैंट्ज़ को धन्यवाद दिया।

यूपी में दो घंटे में दबोचा गया महंत की हत्या का आरोपी

गोरखपुर।

यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कानून व्यवस्था को धार देने की कवायद में लगी है जिसके चलते अपराधियों में खौफ बरकरार है। महाराष्ट्र के पालघर के बाद देश के कई हिस्सों से साधुओं पर हमले और उनकी हत्या के कई मामले सामने आ चुके हैं। अब ताजा मामला उत्तर प्रदेश के संभल से सामने आया है। जहां एक महंत की हत्या कर दी गई है। आपको बता दें कि इसके बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है। महंत के सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे। पुलिस ने अपनी शुरुआती जांच में यह बात पाई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महज दो घंटे में ही पूरे मामले को खुलासा कर दिया और आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आपको बता दें कि यह मामला असमोली थाने का है। असमोली थाने के शिव मंदिर में महंत की हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। महंत की हत्या की सूचना बहुत जल्द ही आग की तरह फैल गई। मामले में एएसपी, डॉग स्क्वॉड समेत फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। साथ ही पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड को भी बरामद कर लिया है। वारदात पर पुलिस का कहना है कि सात दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल कर आरोपी को सख्त सजा दी जाएगी। पुलिस ने खुलासा किया कि महंत का आरोपी मोनू से झगड़ा हुआ था। महंत पर आरोप है कि उसने मोनू को अपमानित किया था और इसी का बदले लेने के लिए आरोपी ने महंत की हत्या करने की ठान ली थी। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मोनू मंदिर में घुसा और धारदार लोहे की रॉड से महंत के सिर पर कई वार किए और हत्या करने के बाद रॉड को पास के ही तलाब में फेंककर घटनास्थल से फरार हो गया।

यूपी में पैठ जमाने का ओवैसी सपना नहीं होगा पूरा : मंत्री मोहसिन रजा

लखनऊ (एजेंसी) ।

देश सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है, लिहाजा यहां अभी से सियासी जोड़तोड़ शुरू हो गया है। इसी बीच एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बहराइच में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया और फिर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि आने वाले चुनाव में योगी का मुकाबला साढ़े चार साल में जो बेरोजगारी से परेशान थे। असदुद्दीन ओवैसी का नाम गरीबों, युवाओं और नौजवानों के सपनों को पूरा करने का नाम है। इस बीच उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में योगी और भाजपा की हुकूमत को शिकस्त देंगे।

वहीं, असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि उत्तर प्रदेश की जनता की जान बचाइये। यहां सिर्फ 3 प्रतिशत लोगों को ही वैक्सीन दी गई है। इसके साथ ही उन्होंने जनता से भी वैक्सीन लगवाने की अपील की। आपको बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की छाप छोड़ने वाले असदुद्दीन ओवैसी उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले हैं। एआईएमआईएम 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। योगी सरकार में मंत्री मोहसिन रजा ने असदुद्दीन ओवैसी पर पलटवार करते हुए कहा कि उनका प्रदेश में पैठ जमाने का सपना पूरा नहीं होने वाला है। इसी बीच भाजपा नेता मोहसिन रजा ने असदुद्दीन ओवैसी को तेलंगाना चुनाव को लेकर चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में साल 2023 में होने वाले चुनाव में पार्टी जीत दर्ज करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्तर प्रदेश में आपकी रणनीति काम नहीं आने वाली है। यहां पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार है। जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के साथ देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

एयरपोर्ट का नामकरण करने की अपनी नीति को नागरिक उड्डयन मंत्रालय अंतिम रूप दे: बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई (एजेंसी)।

शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एयरपोर्ट का नामकरण करने की अपनी नीति को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया. अदालत ने कहा कि, हाल ही में कैबिनेट में फेरबदल हुआ है. ऐसे में नए मंत्री सबसे पहले इस कार्य को पूरा करें. 2017 से ये नीति ड्राफ्ट में है इसे अब इस स्तर पर नहीं रहना चाहिए. आपको बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कार्यभार संभाला. मध्य प्रदेश के प्रमुख नेता सिंधिया ने बुधवार को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली. वह मार्च 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे और इस समय राज्यसभा सदस्य हैं. सिंधिया ने ऐसे समय में मंत्रालय का कार्यभार संभाला है, जब नागरिक उड्डयन क्षेत्र को कोरोना वायरस महामारी के कारण मुश्किल हालात का सामना करना पड़ रहा है. इस क्षेत्र में मांग काफी अधिक प्रभावित हुई है और इसके चलते विमानन कंपनियों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है. सरकार राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया के विनिवेश की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ा रही है. मालूम हो कि 2017 की शुरुआत में, यह बताया गया था कि सरकार मौजूदा हवाई अड्डों के साथ-साथ भविष्य के ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का नाम व्यक्ति विशेष के नाम पर न रखकर शहरों के नाम पर रखने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है. केंद्र की ओर से इसका कारण नाम परिचित ना होने की स्थिति में यात्रियों और विदेशी पर्यटकों को होने वाली कथित असुविधा बताया गया. 2016 में केंद्र सरकार ने राज्यसभा में कहा था कि आम तौर पर यात्रियों की सुविधा और विशेष रूप से विदेशी पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, जो क्षेत्र के स्थानीय इतिहास से परिचित नहीं हैं, हवाई अड्डों का नाम उन शहरों के नाम पर रखने का विचार आया है जहां वह स्थित हैं अथवा जहां से वह सेवा दे रहे हैं, जबकि हवाईअड्डों के टर्मिनल के नाम प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम पर रखे जा सकते हैं.

ड्रैगन की नई चाल,

भारत से मुकाबले के लिए तिब्बती टुकड़ी को दे रहा विशेष ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

ड्रैगन की नई चाल सामने आई है अब उसने भारत से मुकाबले के लिए चीन पीएलए में शामिल तिब्बती टुकड़ी को ऊंचाई वाली जगहों पर विशेष ऑपरेशन करने के लिए तैयार कर रहा है। इस बाबत वो इसमें शामिल जवानों को ट्रेनिंग देने में लगा है। ज्ञात हो कि कुछ समय पहले ही भारतीय एजेंसियों और सेना की तरफ से ये जानकारी सामने आई थी कि चीन युवा तिब्बतियों को अपनी सेना में शामिल करने के लिए उनकी भर्ती कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि चीन तिब्बत के लोगों को तभी अपनी सेना में शामिल करता है जब उसे यकीन हो जाता है कि वो चीन के प्रति वफादारी है। इसके लिए इन लोगों को कई बार टेस्ट भी किया जाता है। चीन की सेना में शामिल होने वाले किसी भी तिब्बती को मैंडिन भाषा सीखना और प्रैक्टिस करना उसकी सबसे पहली प्राथमिकता होती है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि चीन अब भारत की नकल करते हुए एक ऐसी स्पेशल फोर्स बनाने की कोशिश कर रहा है जो ऊंचाई वाली जगहों पर लड़ाई में महारत रखती हो। आपको बता दें कि भारतीय सेना में ऊंचाई वाली जगहों पर सेवा दे रही सेना की टुकड़ियों में कई तिब्बती भी शामिल हैं। इसके अलावा इनमें पहाड़ी क्षेत्र के रहने वालों को तरजीह दी जाती है। इन्हें ऊंचाई वाली जगहों पर होने वाली लड़ाइयों और वहां की चुनौतियों के बारे में जानकारी होती है। पिछले वर्ष जब लद्दाख के ऊंचाई वाली जगहों पर चीन की सेना की वजह से तनाव फैला था तब भी भारतीय सेना के साथ मिलकर इन जवानों ने चीन को पीछे हटने पर मजबूर किया था। उन्होंने भारतीय सेना की इकाइयों के साथ मिलकर पिछले साल अगस्त में पैंगोंग त्सो के दक्षिणी में ऊंचाइ वाली चोटियों पर कब्जा करके देश को चीन की सेना पर बढ़त दिलाई थी।

अब इस इलाके में मुंह की खाने के बाद चीन इसके लिए फिर से तैयारी कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि इसी मकसद से चीन सेना की तिब्बती टुकड़ी ने अपने दुर्गम इलाके ड्रिल की है। आपको बता दें कि तिब्बत के हिस्से वाले चीन में अधिकतर लोग चीन के खिलाफ हैं। वहां पर अधिकतर दलाई लामा के समर्थक हैं और उनके फॉलावर्स भी हैं। पिछले वर्ष अप्रैल-मई में चीन और भारतीय सेना लद्दाख के इलाके में आमने सामने आ गई थीं। लंबे गतिरोध के बाद चीन की सेना कुछ पीछे तो चली गई लेकिन इसके बाद भी उसकी मंशा को लेकर आशंका लगातार बनी रहती है।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुरी फिल्मों में अश्लील दृश्यों और गानों पर सीएम योगी सख्त

लखनऊ । सीएम योगी ने भोजपुरी फिल्मों में अश्लील दृश्य और गाने परोसने वालों के खिलाफ सरकार के सख्त रुख का संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि ऐसी फिल्मों को यूपी सरकार की ओर से कोई अनुदान नहीं दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस बारे में उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव ने सीएम योगी से बात की थी। राजू श्रीवास्तव, गुरुवार को लखनऊ में सीएम से उनके आवास पर मिले थे। उन्होंने सीएम को यूपी में फिल्म सिटी की स्थापना के लिए चल रही प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही भोजपुरी फिल्मों में अश्लीलता को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भोजपुरी भाषा में बनने वाली फिल्मों और गानों में अश्लीलता बढ़ रही है। इससे हमारी संस्कृति और समाज पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इसके खिलाफ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। राजू श्रीवास्तव की इस मांग पर सीएम योगी ने निर्देश दिया कि जो फिल्में और गाने अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं, उन्हें सरकार की तरफ से दिए जाने वाले अनुदान पर तत्काल रोक लगा दी जाए। राजू श्रीवास्तव ने सीएम को बताया कि हाल में 62 फिल्मों की स्क्रिप्ट का परीक्षण किया गया है। उनमें से कुछ फिल्मों की स्क्रिप्ट पर अश्लीलता और अनैतिकता को बढ़ावा देने वाली सामग्री की वजह से रोक लगाई गई है। इसके साथ ही ये फिल्में सरकार द्वारा बनाई गई फिल्म नीति के निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरीं। कुछ फिल्मों की स्क्रिप्ट को पुनर्विचार के लिए समिति के सदस्यों के पास दोबारा भेजा गया है। उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव ने बताया कि कई बार अश्लील दृश्यों वाली फिल्में भी सेंसर बोर्ड से प्रमाण पत्र पा जाती हैं। इस वजह से तय किया गया है कि भले ही सेंसर बोर्ड का प्रमाण पत्र मिल गया हो, लेकिन यूपी सरकार से अनुदान के लिए यहां निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा। इसकी निगरानी और परीक्षण के लिए सेंसर बोर्ड की तरह ही यूपी में भी स्क्रीनिंग कमेटी बनाई जाएगी।

बिहार की सियासत में लालू को बड़ा झटका जगदानंद सिंह ने दिया इस्तीफा

पटना । राष्ट्रीय जनता दल और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जगदानंद सिंह ने अपने इस्तीफे की वजह बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य कारणों को बताया है। गौरतलब है कि दो साल पहले पार्टी के कई नेताओं के विरोध के बावजूद लालू यादव ने जगदानंद सिंह को राजद की कमान सौंपी थी। जगदानंद सिंह को लालू परिवार का करीबी माना जाता है। इसके अलावा उनकी छवि काफी ईमानदार और कर्मठ नेता की रही है। वह रामगढ़ से एमएलए और बक्सर से सांसद रह चुके हैं। लालू सरकार में वह जल संसाधन मंत्री भी रहे। पिछले कुछ समय से जगदानंद सिंह और लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव के बीच तनातनी की खबरें आती रहती थीं। अभी चार दिन पहले राजद के स्थापना दिवस समारोह में भी तेजप्रताप ने जगदानंद सिंह पर निशाना साधा था। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान मंच से ही कहा कि लगता है जगदानंद सिंह हमसे नाराज चल रहे हैं, इसलिए मेरी बातों पर हाथ उठाकर समर्थन नहीं करते। वह पहले भी जगदानंद सिंह का विरोध कर चुके थे। तब जगदानंद सिंह ने इसे परिवार का मामला बताया था। बताया जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह का इस्तीफा अभी पार्टी अध्यक्ष लालू यादव ने मंजूर नहीं किया है। उन्होंने उसने पद पर बने रहने को कहा है। दरअसल, जगदानंद इधर तेजप्रताप यादव द्वारा खुद को टारगेट किए जाने से नाराज चल रहे थे। इस्तीफे के लिए उन्होंने भले स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है, लेकिन इससे संदेश यही गया है कि नाराजगी में उन्होंने यह कदम उठाया है। सूत्रों का कहना है कि लालू यादव इस पूरे मसले को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने पुरानी साथी जगदानंद सिंह से फिलहाल पद पर बने रहने को कहा है।

इलाज के लिए क्राउडफंडिंग से लोग करोड़ों जुटा सकते हैं तो सरकार क्यों नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली । रेयर डिजीज के इलाज के लिए चंदा जुटाने वालों परह सरकार को लगाम लगानी चाहिए। किसी को भी इस तरह रेयर डिजीज के इलाज के लिए पैसे जुटाने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। यह बात केरल हाई कोर्ट ने शुक्रवार को कही। कोर्ट ने कहा कि अक्सर देखने को मिल रहा है कि जिसे भी देखो किसी बच्चे की रेयर डिजीज की बात बताकर क्राउडफंडिंग से पैसे जुटाने लगता है। राज्य सरकारों को पैसे जुटाने के इस तरीके पर ध्यान देने की जरूरत है। जस्टिस पीबी सुरेश कुमार ने कहा कि कोर्ट का मकसद क्राउडफंडिंग पर लगाम लगाना नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि इस तरह से जुटाया जा रहा धन सही व्यक्ति तक पहुंचे। कोर्ट के मुताबिक क्राउडफंडिंग से जुटाया पहुंचा सरकार के खाते में पहुंचना चाहिए, न कि किसी निजी व्यक्ति के खाते में, जिसका भरोसा नहीं कि वह पैसा जरूरतमंद तक पहुंचाएगा भी या नहीं। कोर्ट ने आगे यह भी जोड़ा कि अगर कोई निजी व्यक्ति या संस्थान क्राउड फंडिंग के जरिए थोड़े से ही समय में करोड़ों रुपए जुटा सकते हैं तो सरकार क्यों नहीं ऐसा कर सकती? कोर्ट ने कहा कि राज्य के लोगों को मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराने के लिए सरकार केवल 68 लाख रुपए जुटा सकी। वहीं एक रीढ़ की हड्डी की बीमारी से जूझ रहे बच्चे के लिए एक हफ्ते में 18 करोड़ रुपए जुटा लिए गए। केरल हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी एक आटो रिक्शा ड्राइवर की अर्जी पर सुनवाई के दौरान की। आटो रिक्शा ड्राइवर का छह महीने का बेटा स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी नाम की बीमारी से जूझ रहा है। उसके इलाज का अनुमानित खर्च 18 करोड़ रुपए है और उसके पास पैसे जुटाने का कोई साधन नहीं है। वकील पी चंद्रशेखर ने आरिफ नाम के इस ड्राइवर की तरफ से कोर्ट में पेटिशन फाइल की है। इसमें आरिफ इस बीमारी के इलाज के लिए बताए गए इंजेक्शन को इंपोर्ट करने की परमिशन तो उसे मिल गई है, लेकिन 18 करोड़ रुपए की इसकी कीमत चुकाना उसके वश की बात नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार से मदद की उम्मीद में आरिफ ने कोर्ट का रुख किया है। वहीं इस मामले में दाखिल अपने जवाब में राज्य सरकार ने कहा है कि न तो स्वास्थ्य विभाग और न ही केरल सोशल सिक्योरिटी मिशन इतना महंगा इलाज मुहैया कराने में सक्षम है। आरिफ का बेटा फिलहाल कोझिकोड के मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। केरल सरकार के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की नेशनल रेयर डिजीज पॉलिसी 2021 के मुताबिक स्पाइनल मस्कुलर एस्ट्रॉफी ग्रुप थ्री की बीमारी है। इसका इलाज काफी महंगा है और इसके लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए क्राउडफंडिंग से पैसे जुटाने की बात कही गई है। केरल सरकार ने कोर्ट को जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में इस बीमारी से ग्रस्त करीब 102 मरीज हैं।

सार समाचार

बांग्लादेश के राजधानी ढाका में फैक्ट्री में लगी आग, 40 लोगों की मौत

ढाका। राजधानी ढाका के बाहरी क्षेत्र में एक फैक्ट्री में आग लगने की घटना में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गयी है। मीडिया ने शुक्रवार को यह खबर दी। बीडीईन्यूज24 डॉट कॉम की खबर के अनुसार नारायणगंज के रूपगंज में एक फैक्ट्री में बृहस्पतिवार रात आग लग गयी। समाचार वेबसाइट ने बताया कि आपात कर्मियों ने फैक्ट्री से 40 शव बरामद किये हैं।

इजराइल ने फलस्तीनी-अमेरिकी शख्स के परिवार के मकान को उड़ाया, अमेरिका ने की निंदा

यरुशलम। इजराइल ने वेस्ट बैंक में इजराइलियों पर जानलेवा हमले करने के आरोपी एक फलस्तीनी-अमेरिकी शख्स के परिवार के मकान को बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया। उसने इस व्यक्ति की अलग रह रही पत्नी के अनुरोध भी ठुकरा दिया जिसमें उसने कहा कि वह इस मकान में बमुश्किल ही कभी रहा है। वह अपने तीन बच्चों के साथ इसमें रहती थी। अमेरिका ने मकान को ध्वस्त किए जाने की निंदा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, ''किसी व्यक्ति के कृत्यों के कारण पूरे परिवार का घर नहीं गिराया जाना चाहिए। वेस्ट बैंक में तनाव कम करने की काफी आवश्यकता है। दंड स्वरूप मकान गिराए जाने से ऐसे वक्त में तनाव ही बढ़ेगा जब हर किसी को शांति स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।'' प्राइस ने कहा कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने वरिष्ठ इजराइली समकक्ष के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है। इजराइली सेना रात को तुरमस अय्या गांव में घुसी और मकान को चारों तरफ से घेर लिया। सेना ने नियंत्रित विस्फोटकों की मदद से दो मंजिला मकान को गिरा दिया। इजराइल का कहना है कि मुंतसर शालाबी ने दो मई को गोलीबारी की जिसमें इजराइली छात्र येहुदा ग्वेता मारा गया और दो अन्य घायल हो गए। हमले के कुछ दिनों बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पत्नी सना शालाबी ने कहा कि वे कई सालों से अलग रह रहे हैं और मुंतसर अपना ज्यादातर वक्त न्यू मेक्सिको में बिताता है जहां उसने तीन और महिलाओं से शादी की। पूरे परिवार के पास अमेरिका की नागरिकता है।

कैलिफोर्निया-नेवादा की सीमा पर भूकंप के झटके, तीव्रता 5.9 मापी गयी

सैन फ्रांसिस्को। कैलिफोर्निया-नेवादा की सीमा पर बृहस्पतिवार दोपहर में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का कंपन सैकड़ों मील दूर तक महसूस किया गया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण एजेंसी (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। यूएसजीएस ने बताया कि लेक ताहोए के दक्षिण में दोपहर तीन बजकर 49 मिनट पर भूकंप आया। इसका केंद्र नेवादा की स्मिथ वैली के दक्षिणपश्चिम में 32 किलोमीटर की दूरी पर था। भूकंप के बाद दस से ज्यादा झटके महसूस किए गए जिनमें से कम से कम एक की तीव्रता 4.2 थी। भूकंप आठ किलोमीटर की गहराई पर आया।

बाइडन की घोषणा, अफगानिस्तान में अमेरिका का सैन्य अभियान 31 अगस्त को समाप्त होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि अफगानिस्तान में अमेरिका का सैन्य अभियान 31 अगस्त को समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें प्रगति ही सुरक्षा है की नीति का पालन किया जा रहा है। अफगानिस्तान में अमेरिका के युद्ध को खत्म करने के अपने प्रशासन के प्रयासों का उल्लेख करते हुए बाइडन ने एक भाषण में कहा, 'हम अफगानिस्तान में राष्ट्र निर्माण करने नहीं गए थे। अफगान नेताओं को साथ आकर भविष्य का निर्माण करना होगा।' तालिबान द्वारा देश में महत्वपूर्ण ठिकानों पर प्रगति करने के बीच बाइडन ने अमेरिकी सैन्य अभियान को खत्म करने के अपने निर्णय को उचित ठहराया।

तालिबान उग्रवादियों ने अफगानिस्तान के प्रमुख शहरों को घेरा

काबुल, 9 जुलाई (आईएएनएस)। अमेरिका ने दो दशक से संघर्ष कर रहे तालिबानी उग्रवादियों को अब अफगानिस्तान के प्रांतीय शहरों की ओर धकेल दिया है, जिससे अफगान सुरक्षा बलों के साथ उनकी लड़ाई क्षेत्रीय राजधानियों के करीब आ गई है। अफगान कमांडो इकाइयां पश्चिमी अफगानिस्तान में बडघिस प्रांत की राजधानी में गुरुवार को गश्त पर वापस आ गई है। इसके ठीक एक दिन बाद उन्होंने तालिबान आतंकवादियों को हरा दिया, जिन्होंने शहर में धावा बोलने की कोशिश की थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए असत्यापित वीडियो में तालिबान लड़ाके मोटरसाइकिलों पर काला-ए-नौ शहर के केंद्र की ओर तेजी से बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। हंगामे के बीच स्थानीय जेल में भगदड़ मच गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी भी भारी गोलाबारी के साथ, प्रांतीय गवर्नर ने निवासियों को आश्वस्त करने की कोशिश की, अपना धैर्य बनाए रखें और मैं आपसे वादा करता हूं, हम शहर की रक्षा करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लड़ाई 2015 के बाद से एक प्रांतीय राजधानी को गिराने के लिए तालिबान के सबसे करीब थी और यह एक आक्रामक अभियान का हिस्सा था, जिसने पूरे देश में उग्रवाद की बिजली की गति से आगे बढ़ते देखा है। अफगान सेना के सैनिकों द्वारा व्यापक आत्मसमर्पण, निर्वासन और सामूहिक वापसी के बीच - जिसमें 1,000 से अधिक लोग सीमा पार से पड़ोसी ताजिकिस्तान भाग गए - राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमदुल्ला मोहिब ने इस सप्ताह की शुरूआत में जोर देकर कहा कि उनके सैनिकों ने अपनी चौकियों पर लौटना शुरू कर दिया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, उन्हें वापस लाया जा रहा है। लोग खड़े हैं। युद्ध है, दबाव है। कभी-कभी चीजें हमारे तरीके से काम करती हैं, कभी-कभी नहीं।

जयशंकर का चीन को कड़ा संदेश, कहा- सीमा समझौतों को नहीं मानने से बिगड़े रिश्ते

मॉस्को। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि बीते एक साल से भारत-चीन संबंधों को लेकर बहुत चिंता उत्पन्न हुई है क्योंकि बीजिंग सीमा मुद्दे को लेकर समझौतों का पालन नहीं कर रहा है जिसकी वजह से द्विपक्षीय संबंधों की बुनियाद ''गड़बड़ा'' रही है। मॉस्को में 'प्राइमाकोव इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकनॉमी ऐंड इंटरनेशनल रिलेशन्स' में भारत और चीन के संबंधों के बारे में एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि बीते चालीस साल से चीन के साथ हमारे संबंध बहुत ही स्थिर थे...चीन दूसरा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार के रूप में उभरा।''

तीन दिवसीय दौरे पर आये जयशंकर ने आगे कहा, ''लेकिन बीते एक वर्ष से, इस संबंध को लेकर बहुत चिंता उत्पन्न हुई क्योंकि हमारी सीमा को लेकर जो समझौते किये गये थे चीन ने उनका पालन नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''45 साल बाद, वास्तव में सीमा पर झड़प हुई और इसमें जवान मारे गये। और किसी भी देश के लिए सीमा का तनावरहित होना, वहां पर शांति होना ही पड़ोसी के साथ संबंधों की बुनियाद होता है। इसीलिए बुनियाद गड़बड़ा गयी है और संबंध भी।'' पिछले वर्ष मई माह की शुरुआत से पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध बना। कई दौर की सैन्य और राजनयिक बातचीत के बाद फरवरी में दोनों ही पक्षों ने पैंगांग झील के उत्तर और दक्षिण तटों से अपने सैनिक और हथियार पीछे हटा लिये। विवाद के स्थलों से सैनिकों को वापस बुलाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों के बीच अभी वार्ता चल रही है। भारत हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देपसांग से सैनिकों को हटाने पर विशेष तौर पर जोर दे रहा है। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर ऊंचाई पर स्थित संवेदनशील क्षेत्रों में प्रत्येक पक्ष के अभी करीब50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं।

विवाद के बाकी के स्थलों से सैनिकों की वापसी की दिशा में कोई प्रगति अब नजर नहीं आ रही है क्योंकि चीनी पक्ष ने 11वें दौर की सैन्य वार्ता में अपने रवैये में कोई नरमी नहीं दिखाई है। दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों की होड़ की संभावना से जुड़े एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने इसे खारिज करते हुए कहा कि चीन के परमाणु कार्यक्रम का विकास भारत से कहीं अधिक बड़े पैमाने पर है। उन्होंने कहा, ''मैं नहीं मानता कि भारत और चीन के बीच परमाणु हथियारों की होड़ है। चीन 1964 में परमाणु शक्ति बन गया था जबकि भारत 1998 में।'' रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ अपनी द्विपक्षीय मुलाकात से पहले जयशंकर ने अपने भाषण में इस बात पर भी जोर दिया कि राजनीतिक मोर्चे पर भारत और रूस के लिए दुनिया की स्थिरता तथा विविधता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है। उन्होंने परोक्ष रूप से चीन की ओर इशारा करते हुए कहा, ''इसमें समझौतों का सम्मान करने और कानूनों का पालन करने पर जोर देना शामिल है।'' गौरतलब है कि चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आक्रामक रुख अख्तियार करता रहा है।

पाकिस्तान में कोविड-19 की चौथी लहर का कहर होने वाला है शुरू, योजना मंत्री ने दिए संकेत

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के योजना मंत्री असद उमर ने शुक्रवार को कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं का ठीक तरह से पालन नहीं होने और कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के प्रसार के कारण पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी की चौथी लहर के 'स्पष्ट प्रारंभिक संकेत' मिलने लगे हैं। कोविड -19 से निपटने के लिए राष्ट्रीय कमान ए?वं संचालन केंद्र (एनसीओसी) के प्रमुख उमर ने कहा कि जमीनी रिपोर्ट में मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की पूरी तरह से अवहेलना दिखाई दे रही है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कियिनयमों की अनदेखी होने पर सरकार को शादी घर, इनडोर रेस्तरां और जिम बंद करने को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने ट्वीट में कहा, दो हफ्ते पहले, मैंने ट्वीट किया था कि हमारे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल चौथी लहर के संभावित उद्भव को दिखा रहे हैं। अब चौथी लहर शुरू होने के स्पष्ट तौर पर शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। उन्होंने पाकिस्तान में चौथी लहर के कारणों के रूप में एसओपी अनुपालन में लोगों द्वारा की जा रही लापरवाही और डेल्टा समेत कोविड-19 के स्वरूपों के प्रसार का हवाला दिया। डेल्टा स्वरूप की पहचान सबसे पहले भारत में हुई थी। एनसीओसी पहले ही पाकिस्तान में कोरोना वायरस के विभिन्न रूपों की मौजूदगी की पुष्टि कर चुका है, जिसमें डेल्टा स्वरूप ,दक्षिण अफ्रीका में पाया गया बीटा स्वरूप और ब्रिटेन में मिला अल्फा स्वरूप शामिल है। इस बीच, पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 1,737 नए मामले सामने आए। इससे पहले चार जून को सबसे अधिक1,923 मामले सामने आए थे।

भारतीय-अमेरिकी मीना शेषमणि को बनाया गया 'यूएस सेंटर फॉर मेडिकेयर' का निदेशक

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ डॉ. मीना शेषमणि को 'यूएस सेंटर फॉर मेडिकेयर' का निदेशक नियुक्त किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नेतृत्व में उन्होंने सत्ता हस्तांतरण के दौरान स्वास्थ्य एवं मानव सेवा एजेंसी समीक्षा दल के साथ भी काम किया था। शेषमणि 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों, दिव्यांगों और गुर्दे की बीमारी से पीड़ित लोग,जो 'मेडिकेयर कवरेज' पर निर्भर हैं, की सेवा करने में संस्थान के प्रयासों का नेतृत्व करेंगी। 'सेंटर फॉर मेडिकेयर' के उप प्रशासक एवं निदेशक के रूप में डॉ. शेषमणि का कार्यकाल छह जुलाई से शुरू हुआ। सीएमएस (मेडिकेयर एवं मेडिकेड सेवाओं के केन्द्रों) प्रशासक चिक्रिटा ब्रूक्स-लासुर ने कहा, '' एक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकारी, स्वास्थ्य अर्थशास्त्री, चिकित्सक और स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ के रूप में मीना शेषमणि सीएमएस के लिए काम करेंगी।'' उन्होंने कहा, '' मेडिकेयर पर भरोसा करने वाले लोगों को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना, जैसा कि हम करते आए हैं और इसे आगे बढ़ाना सीएमएस की प्राथमिकता है। मैं खुश हूं कि डॉ. शेषमणि उप प्रशासक और सेंटर फॉर मेडिकेयर के निदेशक के रूप में इस संबंध में एक नया दृष्टिकोण पेश करेगी कि स्वास्थ्य नीति का रोगियों के वास्तविक जीवन पर क्या असर पड़ता है।'' शेषमणि ने 'ब्राउन यूनिवर्सिटी' से बिजनेस इकोनॉमिक्स में बीए ऑनर्स किया है। 'यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया स्कूल ऑफ मेडिसिन' से एमडी और 'ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय' से स्वास्थ्य अर्थशास्त्र में पीएचडी की है।

बाइडन ने छात्र वीजा की समय-सीमा के ट्रम्प के प्रस्ताव को रद्द किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने घोषणा की है कि वह भारत और अधिकांश अन्य देशों के स्कॉलर्स के लिए छात्र वीजा को चार साल के कार्यकाल तक सीमित करने के उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प के प्रस्ताव को रद्द कर रहे हैं। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने मंगलवार को इस फैसले को प्रकाशित किया और कहा कि वह पत्रकारों के लिए वीजा की प्रस्तावित सीमा को भी खत्म कर देगा। डीएचएस ने कहा कि उसे लगभग 32,000 सार्वजनिक टिप्पणियां मिली हैं। इनमें से 99 प्रतिशत ट्रम्प प्रशासन द्वारा पिछले सितंबर में किए गए प्रस्ताव के आलोचक थे और इसलिए, यह प्रस्तावित परिवर्तनों को वापस लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात है कि प्रस्तावित परिवर्तन अनावश्यक रूप से अप्रवासन लाभों तक पहुंच को बाधित करते हैं। मौजूदा वीजा नियमों को ध्यान में रखते हुए, एफ और जे वीजा पर छात्र अमेरिका में अपना वीजा तब तक रख सकेंगे जब तक वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं और पत्रकार अपनी नौकरी करते हुए आई वीजा पर रहते हैं। अगर ये परिवर्तन हो गए होते तो उन्हें विस्तार के लिए नागरिकता और आप्रवासन सेवा में आवेदन करना होता या देश छोड़ना होगा और सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी को दोबारा प्रवेश के लिए आवेदन करना होगा। ट्रम्प प्रशासन के प्रस्ताव ने कुछ देशों के लिए छात्र वीजा की सीमा को दो साल तक कम कर दिया था, जिनमें से बड़ी संख्या में नागरिक अपने वीजा से अधिक समय बिता रहे थे। डीएचएस ने बताया कि समय सीमा का विरोध करने वालों ने कहा था कि विदेशी छात्रों, विनिमय विद्वानों, (और) विदेशी मीडिया प्रतिनिधियों पर काफी बोझ पड़ेगा और अत्यधिक लागत आएगी। डीएचएस ने कहा प्रस्ताव के खिलाफ लिखने वाले व्यवसायों ने कहा कि कई गैर-नागरिक प्रवास के विस्तार के लिए आवेदन करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं या इसे समय पर फैशन में मंजूरी दे दी है, जिससे कर्मचारियों की संभावित शुरूआत की तारीखों में देरी हो रही है और/या उन्हें संभावित नौकरी खोने का कारण बनता है। हालांकि, डीएचएस ने कहा कि यह अभी भी प्रस्ताव के लक्ष्य का समर्थन करता है, जो एफ, जे, और आई वीजा श्रेणियों में गैर-आप्रवासियों को स्वीकार करने वाले कार्यक्रमों की अखंडता की रक्षा करना था और यह सुनिश्चित करते हुए इसका विश्लेषण करेगा कि यह बाइडन के अनुरूप है। हमारी कानूनी आव्रजन प्रणालियों में विश्वास बहाल करने पर फरवरी में जारी कार्यकारी आदेश है। आमतौर पर, पीएचडी या शोध कार्यक्रमों या अन्य उन्नत डिग्री हासिल करने वाले छात्रों को चार साल से अधिक की आवश्यकता होती है। व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संक्रमण करने वाले छात्र भी प्रभावित हो सकते हैं, जो उन व्यवसायों को प्रभावित करते हैं जो अपने विकास को शक्ति देने के लिए विदेशी छात्रों पर निर्भर हैं।

नेशनल स्पेलिंग बी प्रतियोगिता की विजेता बनी 14 साल की पहली अफ्रीकी-अमेरिकी

लेक यूना विस्टा (अमेरिका)। (एजेंसी)।

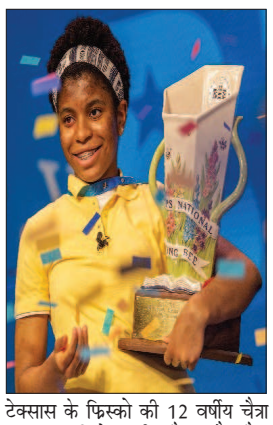

लुइसियाना की 14 वर्षीय जैला एवांट गार्डे अमेरिका की प्रतिष्ठित स्पेलिंग बी प्रतियोगिता जीतने वाली पहली अफ्रीकी अमेरिकी बन गयी हैं और इस प्रतियोगिता के 96 वर्षों के इतिहास में वह दूसरी अश्वेत विजेता है। जैला ने स्पेलिंग को अपने खाली वक्त का शौक बताया। हालांकि वह इसके लिए हर दिन सात घंटे अभ्यास करती हैं। जैला की बास्केटबॉल में रूचि है और उन्हें एक दिन 'डब्ल्यूएनबीए' के लिए खेलने की उम्मीद है और उनके नाम एक साथ कई गेंदों को ड्रिब्लिंग करने का गिनीज विश्व रिकॉर्ड भी है। जैला ने ''मुरैया'' शब्द की स्पेलिंग बताने के बाद बृहस्पतिवार रात को यह खिताब अपने नाम किया, जिसका मतलब है उष्णकटिबंधीय एशियाई और ऑस्ट्रेलियाई पेड़ों की एक प्रजाति। टेक्सास के फ्रिस्को की 12 वर्षीय चैत्रा थुम्मला उपविजेता रही। जैला और चैत्रा दोनों ने कोल शाफर रे से प्रशिक्षण लिया था।

येल का 20 वर्षीय छात्र कोल 2015 में इस प्रतियोगिता का उपविजेता रहा। इससे पहले स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी के फाइनल में पहुंचने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रथम महिला जिल बाइडन से मुलाकात करने का अवसर मिला। जिल ने प्रतिभागियों तथा उनके परिवारों से बृहस्पतिवार शाम को मुलाकात की। उन्होंने कहा, ''मैं आपको यह बताने के लिए व्यक्तिगत तौर पर यहां मौजूद रहना चाहती हूं कि राष्ट्रपति और मुझे आप सभी पर बहुत गर्व है।'' प्रथम महिला ने कहा, ''छठी कक्षा में मैं अपनी स्कूल की स्पेलिंग बी चैम्पियन थी। मुझे अगले चरण में जाने का मौका मिला था लेकिन क्षेत्रीय प्रतियोगिता वाले दिन मैंने अपनी मां से कहा कि मैं बीमार हूं। असलियत यह थी कि मैं बहुत ज्यादा घबरायी हुई थी इसलिए मैं आप सभी की काफी तारीफ करती हूं।

यूरोपीय आयोग ने क्रोएशिया की रिकवरी योजना को मंजूरी दी

जाग्रेब (एजेंसी)।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि उनकी संस्था ने क्रोएशिया की रिकवरी और लचीलापन योजना को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने गुरुवार को क्रोएशियाई सरकार के एक सत्र में भाग लेते हुए कहा यह एक महान योजना है, जिसमें अन्य सभी यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद (सकल घरेलू उत्पाद) का सबसे बड़ा हिस्सा है और यह बहुत महत्वाकांक्षी है। योजना अर्थव्यवस्था, प्रशासन और स्वास्थ्य देखभाल में निवेश और सुधारों को संतुलित करती है। वॉन डेर लेयेन ने विशेष रूप से क्रोएशिया की प्रशंसा की है कि उन्होंने 20 प्रतिशत धनराशि डिजिटलीकरण के लिए निर्धारित की है। उन्होंने कहा आपकी योजना में जो अच्छा है वह है ई-स्वास्थ्य और लोक प्रशासन सुधार, जो नागरिकों की सेवा करेंगे। क्रोएशियाई प्रधानमंत्री अंद्रेज प्लेंकोविक ने 2020 में देश में आए भूकंपों से हुए नुकसान की मरम्मत में एकजुटता के लिए आयोग को धन्यवाद दिया। प्लेंकोविक ने कहा हम नियोजित धन का सर्वोत्तम तरीके से उपयोग करने का प्रयास करेंगे, और धन का 12 प्रतिशत भवनों के नवीनीकरण के लिए उपयोग किया जाएगा। यूरोपीय संघ की रिकवरी और लचीलापन तंत्र में क्रोएशिया के लिए 6.3 बिलियन यूरो (7.4 बिलियन डॉलर) का अनुदान और 3.6 बिलियन यूरो का ऋण शामिल है। जुलाई के अंत तक, क्रोएशिया की योजना को यूरोपीय संघ परिषद द्वारा अपनाया जाना चाहिए, जिसके बाद कई परियोजनाओं का कार्यान्वयन शुरू हो जाएगा।

बारिशों से दोस्ती अच्छी नहीं... तालिबान को बढ़ावा देने पर पाक पर बरसा अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी सैनिकों के अफगानिस्तान छोड़ने की घोषणा होते ही वहां पर हालात मुश्किल होने लगे हैं। इस बीच पाकिस्तान द्वारा तालिबान को समर्थन देने की बात आने पर भारत में अफगानिस्तान के दूत फरीद ममूंदजे ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में फरीद ममूंदजे ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान को समझना चाहिए कि बारिशों से दोस्ती अच्छी नहीं होती।

आतंकवाद से दोस्ती रंग नहीं लाती

अफगानी एंबेसडर फरीद ममूंदजे से सवाल पूछा गया था कि पाकिस्तान के समर्थन के बिना तालिबान इतना आगे नहीं बढ़ पाता, इस पर आप क्या कहेंगे? इस पर फरीद ममूंदजे ने कहा कि तालिबान के बड़े नेताओं की जड़ें पेशावर से जुड़ी हुई हैं। उनके परिवार, उनके इन्वेस्टमेंट, बिजनेस सभी पेशावर में हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो हालात इतने खराब नहीं होते। उन्होंने पाकिस्तानी शायर अहमद फराज की एक शायरी से ही पाकिस्तान को चेतावनी थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी शायर अहमद फराज कह गए हैं, कि %%इन बारिशों से दोस्ती अच्छी नहीं फराज, कच्चा तेरा मकां है, कुछ तो ख्याल कर!%% उन्होंने आगे कहा कि आज हम मुश्किल में हैं तो कल को उनके लिए भी मुसीबत बढ़ सकती है। फरीद ने कहा कि एक अच्छा पड़ोसी होने के नाते हम उन्हें सलाह देंगे कि आतंकवाद से दोस्ती कभी रंग नहीं लाती।

भारत से मदद की उम्मीद

वहीं फरीद ने इस मुश्किल हालात में भारत से मदद की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल हमारे यहां खाने की कमी है। भारत हमेशा से हमारे लिए एक बड़ा मददगार रहा है। हम भारत से मदद के लिए चर्चा कर रहे हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि आने वाले वक्त में भारत हमारी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिन में हमारे लोगों ने तालिबान से लड़कर 10 जिलों पर वापस कब्जा पाया है। फिलहाल हमने भारत से सैन्य मदद की मांग नहीं की है। भारत पहले ही हमें 11 हेलिकॉप्टर दे चुका है। मैं भारत का शुक्रगुजार हूं कि वह हमारी सेना को सपोर्ट कर रहा है।

बंद हो खून-खराबा

फरीद ममूंदजे ने आगे कहा कि अप्रैल से अब तक करीब 3600 आम नागरिक मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 1000 के लगभग सिपाही शहीद हो चुके हैं और 3000 घायल हुए हैं। इंसानी जान के साथ तो कीमत हम चुका रहे हैं, उसका कोई मोल नहीं है। हम? हिंसा की प्रबलता से चिंतित हैं। हमने तालिबान से? हिंसा से रोकने को कहा है। उन्होंने कहा कि मासूम लोगों के साथ खून-खराबा बंद होना चाहिए।

संपादकीय

सौ के पार

ईंधन की कीमतें बहुत संवेदनशील होती हैं, लेकिन इन दिनों उनकी ओर से सरकारें थोड़ी उदासीन हो गई हैं। नतीजा सबके सामने है। राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमतें मंगलवार को 35 पैसे की बढ़ोतरी के साथ ही 100 रुपये के आंकड़े से ऊपर पहुंच गईं। कीमतों में संशोधन के बाद पेट्रोल दिल्ली में 100.21 रुपये प्रति लीटर पर बिकने लगा, जबकि डीजल 89.53 रुपये प्रति लीटर पर बेचा जा रहा था। दिल्ली के साथ ही कोलकाता में भी पेट्रोल की कीमत 100 रुपये का आंकड़ा पार कर गई है। कोलकाता में पेट्रोल 100.19 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। डीजल की कीमत 92.44 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल प्रति लीटर 106 रुपये के पार बिक रहा है, जबकि डीजल 97.08 रुपये प्रति लीटर के पार। चेन्नई में भी पेट्रोल और डीजल क्रमशः 101 रुपये और 94.08 रुपये प्रति लीटर के पार बिक रहा है। अब हम यह मान सकते हैं कि भारतीय लोग पेट्रोल के लिए प्रति लीटर 100 रुपये से ज्यादा चुकाने लगे हैं। आज से लगभग 18 साल पहले भारत में लोग प्रति लीटर महज 33 रुपये खर्च करते थे, आज उससे लगभग तीन गुना अधिक कीमत अदा कर रहे हैं, तो आधुनिक जीवन में पेट्रोल के बढ़ते महत्व को समझा जा सकता है। पेट्रोल हमारे देश में केवल ईंधन का स्रोत नहीं है, यह सरकारों के लिए कमाई का भी बड़ा स्रोत है। इस पर न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतार-चढ़ाव का असर पड़ता है, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था और राजनीति भी इस पर असर डालती है। कोरोना के समय जब सरकारों की कमाई घटी है, तब पेट्रोल और डीजल से सरकारों की आशा बहुत बढ़ गई है। लोगों को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि वे जो कीमत चुका रहे हैं, वह केवल ईंधन की कीमत नहीं, बल्कि वे देश के राजस्व में भी योगदान दे रहे हैं। क्या इन कीमतों को नए नजरिए से देखने की शुरुआत कर देनी चाहिए? युवाओं का विकासशील देश कोरोना की वजह से आर्थिक आपदा से गुजर रहा है। हम गौर कर सकते हैं कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों का बढ़ना आज बड़ा राजनीतिक विषय नहीं है। इस मद में अर्जित हो रहा राजस्व न केवल केंद्र सरकार, बल्कि राज्य सरकारों के भी खजाने में जाएगा। भारत ही नहीं, दूसरे देशों में भी पेट्रोल को कमाई बढ़ाने के स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। पिछले महीने के अंत में पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 23 रुपये और डीजल की कीमत में 20 रुपये की बढ़ोतरी एकबारगी ही कर दी गई। पाकिस्तान में भी वहां की मुद्रा के हिसाब पेट्रोल की कीमत तीन अंकों में पहुंच गई है। भारत के पड़ोसी देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, जिसकी चर्चा लोग अक्सर करते हैं। बहरहाल, भारत में 4 मई के बाद से ईंधन की कीमतों में लगातार ऊपर की ओर रुझान बना हुआ है। साल 2021 में अब तक पेट्रोल की कीमतों में करीब 15 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव की पृष्ठभूमि में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। हालांकि, इसमें सबसे अधिक प्रभावी कारक कर की उच्च दर रही है। केंद्र और राज्य सरकारें चाहें, तो अपने करों में कमी करके उपभोक्ताओं को कुछ राहत दे सकती हैं। खासकर, डीजल की कीमतों को संभालना जरूरी है, ताकि महंगाई और ज्यादा न बढ़े।

नई जिम्मेदारी, अब परफॉर्मेंस की बारी!

– डॉ. रमेश ठाकुर

15 कैबिनेट और 28 राज्य मंत्रियों के साथ बड़े निराले अंदाज में मोदी सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। शपथ ग्रहण का समय छह बजे था लेकिन तबतक तेज आंधी की भांति हलचलें मची रही। मंत्रिमंडल विस्तार से चर्चा, मंत्रियों को हटाए जाने को लेकर होने लगी। सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा के साथ मीटिंग की, तब लोगों को लगा मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मंथन किया जा रहा है। लेकिन मीटिंग में कई मौजूदा मंत्रियों को मंत्री पद से हटाने की पटकथा लिखी जा रही थी। बैठक खत्म होते इस्तीफों की झाड़ी लग गई। स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार की अगुवाई करने वाले सभी मंत्रियों को एकसाथ निपटा दिया गया। दर्जन भर मंत्रियों के औसत परफॉर्मेंस को देखते हुए उनकी छुट्टी कर दी गई। कुछ को इनाम भी मिला। कुल 43 मंत्रियों को शामिल किया गया। नई कैबिनेट में कई पूर्व चिकित्सक, आईएएस, इंजीनियर व उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों का जबरदस्त समावेश है। गौरतलब है, केंद्र सरकार के कामकाज के लिहाज से बीते सात वर्षों के दरम्यान चर्चा मोदी मंत्रिमंडल की कम, बल्कि मोदी मॉडल की ज्यादा हुई और लगातार हो रही है। क्योंकि सरकार के दोनों कार्यकालों की परस्पर संरचना, अबतक के सभी प्रधानमंत्रियों से जुदा रही है। उनके काम करने के अंदाज से तो सभी भली-भांति परिचित हैं ही। क्योंकि उनके निर्णय सभी को चौंकाते रहे हैं। इससे पहले भी कई मर्तबा मीडिया में खबरें आई कि मोदी कैबिनेट में फेरबदल होगा। पर, सभी खबरें अफवाह और हवा हवाई साबित हुईं। आम लोगों के अलावा राजनीतिक पंडितों के सभी कयास धराशायी हुए। दरअसल, मोदी शुरू से ही अपने काम करने के अंदाज और नीति, नियमों और निर्णयों से देशवासियों को चकित करते रहे हैं। उनके फैसले की किसी को कानों कान भनक तक नहीं लगती। यहां तक उनके मंत्रियों को भी आभास नहीं हो पाता कि मोदी क्या करने वाले हैं। मीटिंग में मंत्रियों को बुलाया तो जाता है पर मुद्दा मीटिंग में ही पता चलता है। बहरहाल, मोदी ने शुरू से ही मंत्रिमंडल विस्तार पर ज्यादा विश्वास नहीं किया। पहला कार्यकाल भी ऐसे ही बीता। उन्होंने हमेशा मंत्रियों के अपने पदों पर बने रहने का उपयुक्त और भरपूर वक्त दिया। इसका एक कारण यह भी रहा, मंत्रियों को ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता मिली और उनके कार्य की गुणवत्ता में निखार भी देखने को मिला। इस फॉर्मूले से कई मंत्रियों ने बेहतरीन काम भी करके दिखाया। यही वजह है कुछ विभाग ऐसे हैं जो पिछले कार्यकाल में जिन मंत्रियों के पास थे, वह मौजूदा कार्यकाल में भी यथावत हैं। जबकि, पिछली हुकूमतों में मंत्रियों के विभाग साल के भीतर ही बदल दिए जाते रहे हैं। काबिलेगौर है इतने अल्प अवधि में कोई भी मंत्री अपना परफॉर्मेंस नहीं दे पाएगा और न दिखा पाएगा। समय और स्वतंत्रता देने के मामले में सभी मंत्री मोदी की तारीफ भी करते हैं। फिलहाल अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करने के बाद प्रधानमंत्री की कोशिश यही है कि जिन नए मंत्रियों को अपनी टीम में उन्होंने जोड़ा है। वह नवीनतम मंत्री दिए गए पद को रेवड़ियां नहीं समझेंगे, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी समझकर अपने दायित्वों का निर्वाह करेंगे और जनता की सेवा में तनमन से जुटेंगे। विस्तार के रूप में युवाओं से सजाई गई मोदी टीम में भूपेंद्र यादव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिना गावित, प्रताप सिन्हा, अजय भट्ट, सर्वानंद सोनोवाल, अनुप्रिया पटेल, अश्विनी वैष्णवी, अजय मिश्रा जैसे उर्जावान मंत्रियों से खुद प्रधानमंत्री बड़ी उम्मीद लगाए बैठे हैं। इस बात से सभी वाकिफ हैं कि प्रधानमंत्री की टीम का हिस्सा बनने का मतलब काम करना होगा, न कि मंत्री बनकर रौब दिखाना। शासन व्यवस्था में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री ने एक और नए मंत्रालय को बनाया है, मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन। इस मंत्रालय को बनाने का खास उद्देश्य 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करना होगा। मंत्रिमंडल विस्तार को ज्यादातर लोग आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। पर एक वर्ग इसे बदलाव का बड़ा कदम मानकर देख रहा है। नवीनतम मंत्रालय के जरिए प्रत्येक विभागों में निगरानी के तौर पर प्रशासनिक, कानूनी, और नीतिगत ढांचे का प्रसार किया जाना बताया जा रहा है। हालांकि नफा-नुकसान एकाध वर्ष बीत जाने के बाद ही पता चलेगा। मोदी कार्यकाल के सात सालों में पहली मर्तबा मोदी कैबिनेट अबतक की सबसे युवा टीम है, जिसमें महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी ठीकठीक बढ़ा है। विस्तार से पहले तक मंत्रियों की संख्या 53 मात्र थी, कई विभाग बिना मंत्रियों के रिक्त थे, उन्हें भी भरा गया है। कम मंत्रियों से कैबिनेट चलाने का एक खास मकसद मोदी का खर्चों में बचत करना भी था। एक मंत्रालय पर सालाना करोड़ों रुपए का खर्च आता है, जिसे सरकार ने बखूबी बचाया। मंत्रिमंडल विस्तार में बड़े राज्यों का ज्यादा ख्याल रखा गया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र आदि राज्यों से ज्यादा मंत्री बनाए गए हैं। केंद्र सरकार एनडीए गठबंधन की है तो बाकी सहयोगी दलों के नेताओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई। पर, दो नाम ऐसे हैं जिन पर आने वाले समय में परेशानियां हो सकती हैं। नारायण राणे और पशुपति कुमार पारस। कुछ समय से धीरे-धीरे भाजपा और शिवसेना के रिश्ते मधुरता की तरफ बढ़े हैं, इस बीच राणे का मंत्री बनाना दोनों के रिश्तों में खलल भी डाल सकता है। वहीं, एलजेपी के बागी सांसद और स्वयंभू पार्टी अध्यक्ष पशुपति पारस के नाम पर सांसद चिराग पासवान को घोर एतराज है। उनका कहना है कि उनकी बिना इजाजत के उनकी पार्टी से कोई मंत्री कैसे बन सकता है। इसके लिए उन्होंने कोर्ट तक जाने की धमकी दे डाली है। वैसे, बीते मंत्रीमंडल विस्तार के अनुभव तो यही कहते हैं कि केंद्र सरकारों में फेरबदल का मतलब सियासी जरूरतों का पूरा करना और चुनावों में फायदा उठना ही होता है। लेकिन इसबार ऐसा कुछ दिखाई नहीं पड़ता। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनके हालात कोरोना संकट में खराब हुए हैं। मोदी टीम में विस्तार करने का मुख्य मकसद यही है कि उन क्षेत्रों में टीमवर्क के जरिए कठिन समस्याओं से उभारा जाए। हालांकि टाइमिंग कुछ ऐसी है जो सीधे आरोप लगाती है कि आगामी कुछ महीनों में पांच राज्यों में चुनाव होने हैं उनको ध्यान में रखकर मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा रहा है। विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस तो यही कह रही है। बाकी आने वाला समय बताएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'आज के ट्वीट

आध्यात्मिक ऊर्जा

वृन्दावन - मेरी आध्यात्मिक ऊर्जा का स्त्रोत है
बताइये आपको एनर्जी कहाँ से मिलती है?

-- विवेक बिन्द्रा

ज्ञान गंगा

तनाव

सद्गुरु/ हम जो भी करते हैं, वह किसी-न-किसी रूप में, दूसरे इंसान के जीवन में योगदान दे रहा है। अगर आप यह देखें कि कैसे आप सचेतन तरीके से अपने काम के जरिए सबके जीवन में कुछ योगदान दे सकें, तो आपका जीवन पूरी तरह से बदल जाएगा। योगदान देने का मतलब यह नहीं होगा कि आपको अपने कारोबार से मुनाफा नहीं होगा। अगर आप लगातार यह देखें कि आप अपने आसपास के लोगों के लिए सबसे बेहतर क्या कर सकते हैं तो लाभ अपने-आप होगा - आपको इसकी चिंता नहीं करनी होगी। योगदान देने से मतलब धन या किसी तरह का लाभ देना नहीं है-यह आपके जीवन की बुनियादी इच्छाशक्ति (संकल्प) है। अगर आप अपने जीवन को ऐसे सहयोग में बदल देंगे, तो आपका जीवन सही मायनों में सार्थक होगा क्योंकि आप वह रच रहे हैं, जिसकी आपको परवाह है। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो आपके लिए हर दिन अपने काम पर जाना आनंददायक होगा। ऐसे में आप कभी तनाव की वजह से नहीं मरेंगे, मेरा यकीन करें। हो सकता है कि आप काम से थककर मार जाएं, लेकिन आप तनाव से कभी नहीं मरेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। जिस क्षण में आप देखते हैं कि दूसरों के जीवन में कैसे योगदान करना है, उसी क्षण से आपके भीतर एक तरह का सुखद अनुभव पैदा होगा। आपका मन और शरीर बेहतर तरीके से काम करने लगेंगे। इसे साबित करने के लिए हमारे पास अच्छे-खासे वैज्ञानिक और मेडिकल प्रमाण भी मौजूद हैं। अगर आपका मन और शरीर सही तरह से काम नहीं कर रहा, तो क्या आपको लगता है कि इस तरह सफलता हाथ आएगी? जब आप बेहतर नतीजे पाने के लिए अपने हुनर को पूरी तरह से निखार देते हैं, तब सफलता आपके हाथ आती है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो आपके लिए सुखद अनुभव में रहना आवश्यक है। तब आप जितना अधिक करेंगे, उतना ही बेहतर महसूस करेंगे। अगर आप सही मायनों में परमानंद को महसूस करते तो क्या आप जीवन के उद्देश्य के बारे में बात करते। आप यह सवाल इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कहीं न कहीं आपके जीवन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं है। अधिकतर इंसान विचारों, भावों, मतों तथा पूर्वाग्रहों का पुलिंदा बन कर रह गए हैं। इसका अर्थ है कि आपका मनोवैज्ञानिक ड्रामा आपके जीवन पर कब्जा कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

भारी पड़ेगी प्रकृति को न समझने की भूल

– डॉ. वंदना सेन

जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुएं, बावड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप से मानव यही सोचता है कि पेड़-पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा? अभी बारिश का मौसम आ चुका है। इस मौसम में देश के अनेक हिस्सों से कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा पड़ने के समाचार मिलते हैं। इतना ही नहीं देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधारोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है, यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़-पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवनकाल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है। लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़-पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। जबकि सच यह है कि शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही हैं। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है, इसलिए क्यों न हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। पिछले एक साल से कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाए हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है। इसी कारण कहा जा सकता है कि जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवन यापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

(लेखिका, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में हिंदी की सहायक प्राध्यापिका हैं।)

तनीषा बोलीं शादी करना जरूरी नहीं

बिग बॉस 14 में राखी सावंत अपने एग फ्रीज करवाने की बात करती नजर आई थीं। एकता कपूर से लेकर मोना सिंह तक कई सिलेब्स ऐसा कर चुके हैं। अब काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी ने खुलासा किया है कि वह भी अपने एग्स 39 साल की उम्र में फ्रीज करवा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि वह पहले ही ऐसा करवाना चाहती थीं लेकिन डॉक्टर की सलाह पर 39 उम्र को चुना।

33 साल की उम्र में करवाना चाहती थीं

तनीषा मुखर्जी ने बताया, मैं 33 साल की उम्र में अपने एग्स फ्रीज करवाना चाहती थी। उस वक्त मैं अपनी डॉक्टर के पास गई। यह फनी है लेकिन उन्होंने उस वक्त मुझे ऐसा करने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि इससे मेरे शरीर पर असर पड़ सकता है। उन्होंने सलाह दी कि मुझे ऐसा तब करना चाहिए जब बेबी कंसीव करने की कोई होप न हो। यह पर्सनल चॉइस है। और आज के समय में बच्चे न होने में कोई दिक्कत नहीं है।

जरूरी नहीं जीवन में पुरुष हो

तनीषा ने कहा कि एक औरत के जीवन की सबसे बड़ी चाहत सिर्फ बच्चे होना ही नहीं है। उनका मानना है कि जरूरी नहीं हैं कि हर औरत के बच्चे हों। तनीषा शादी करना भी जरूरी नहीं मानतीं। उन्होंने ये भी कहा कि जरूरी नहीं है कि किसी रिलेशनशिप में हो और आपको डिफाइन करने के लिए जीवन में एक पुरुष हो ही।

बताया, मां तनुजा का रिऐक्शन

तनीषा के फैसले पर उनकी मां तनुजा का क्या रिऐक्शन था, इस पर उन्होंने बताया कि उनकी मां ने हमेशा इस फैसले का सपोर्ट किया। वह अपनी मां को एक प्रोग्रेसिव और आगे सोचने वाली महिला मानती हैं। तनीषा बिग बॉस 7 में आ चुकी हैं। शो के बाद उनका नाम को-कंटेस्टेंट अरमान कोहली से जुड़ा था। इसके बाद उनके ब्रेकअप की खबरें आ गईं।

श्रोताओं का युग ओटीटी कंटेंट की रीढ़

ओटीटी फलफूल रहा है, और किसी भी उछाल की तरह इसने अपनी कार्य संस्कृति की शुरूआत की है। बदले में, इसने नए जॉब प्रोफाइल भी बनाए हैं। एक नई भूमिका जो डिजिटल स्पेस में सर्वोच्च महत्व रखता है, वह है श्रोता। सीधे शब्दों में कहें, वह कई रचनात्मक प्रमुखों के बीच पुल है, क्योंकि ओटीटी शो को कभी-कभी कई निर्देशकों (विशेषकर एंथोलॉजी के टुकड़ों के मामले में), लेखकों, साथ ही निर्माताओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है। एक श्रोता की भूमिका के बारे में बताते हुए, लोकप्रिय वेब श्रृंखला 'द फैमिली मैन 2' के सह-निदेशक सुपर्ण वर्मा बताते हैं: ''ओटीटी प्लेटफार्मों पर शो का निर्माण फिल्मों और टेलीविजन से थोड़ा अलग है। आपके पास श्रोता हैं क्योंकि कभी-कभी कई निर्देशक होते हैं एक शो पर आते हैं और कई एपिसोड निर्देशित करते हैं। कभी-कभी दो निर्देशक, एक श्रोता सहित, दूसरे निर्देशक के साथ सीधे एपिसोड बनाते हैं। एक श्रोता पूरे सीजन में एक सुसंगत वष्टि रखता है। कभी-कभी एक श्रोता कभी निर्देशन नहीं कर सकता है, लेकिन वह पूरे सीजन में वष्टि की निरंतरता बनाए रखता है क्योंकि शो ऋतुओं में सीमित नहीं हैं।'' निर्देशक श्रीजीत मुखर्जी, जिन्होंने फिल्म में चार में से दो कहानियों का निर्देशन किया, एक श्रोता की भूमिका को परिभाषित करते हैं: ''एक श्रोता एक रचनात्मक निर्माता की तरह होता है। वह रचनात्मक कॉल लेता है और वह इस मामले में संकलन का एकीकृत कारक है। वह एंथोलॉजी का विहंगम वश्य है, चार शॉर्ट्स को एक साथ लाता है और मंच के साथ निर्णय लेता है कि हर शॉर्ट कैसा होना चाहिए।'' विभिन्न कहानीकारों को डिजिटल सामग्री में श्रोता के रूप में श्रेय दिया जाता है। उदाहरण के लिए, अलंकृता श्रीवास्तव 'बॉम्बे बेगम' के लिए श्रोता हैं, जबकि फिल्म निर्माता इम्तियाज अली 'शी' के लिए श्रोता हैं। रवीना टंडन के आगामी डिजिटल डेब्यू 'अरण्यक' के लिए, रोहन सिप्पी शो रनर के रूप में हैं। एक श्रोता होने से चीजें कैसे आसान हो जाती हैं? वर्मा कहते हैं, ''एक श्रोता होना मंच और टीम के लिए एक बड़ी संपत्ति है क्योंकि हर चीज के लिए एक व्यक्ति जिम्मेदार होता है और वह हर मौसम में गुणवत्ता नियंत्रण और निरंतरता बनाए रखता है।'' फिल्म निर्माता आगे कहते हैं: ''एक मंच के लिए एक शो एक बार में चार फीचर फिल्में बनाने जैसा है। यह चार फीचर फिल्मों के लिए लिखने और चार फीचर फिल्मों की शूटिंग के बारे में है, यही वजह है कि नेटफ्लिक्स, अमेजन या हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म कभी-कभी एक से अधिक निर्देशकों को पसंद करते हैं। कभी-कभी, शोअरनर शो के निर्देशक भी होते हैं लेकिन यह फिर से उनकी टाइमलाइन और वर्कलोड पर निर्भर करता है।''

क्विज शो द बिग पिक्चर से टीवी डेब्यू करने जा रहे रणवीर सिंह

फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाले रणवीर सिंह अब छोटे पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं। रणवीर सिंह कलर्स चैनल के क्विज शो 'द बिग पिक्चर' को होस्ट करते नजर आएंगे। इस शो का प्रोमो वीडियो सामने आ चुका है। शो का प्रोमो रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में रणवीर सिंह फिल्मों में निभाए अपने अलग-अलग किरदारों के बारें में बताते नजर आ रहे हैं। इसके बाद वह इस शो के फॉर्मेट के बारे में बताते हैं। खबरों के अनुसार रणवीर सिंह ने अपने टीवी डेब्यू के बारे में कहा, एक कलाकार के रूप में मेरी जर्नी में प्रयोग करने और एक्सप्लोर करने की ललक हर समय रही है। बॉलीवुड ने मुझे सब दिया और ये मेरे लिए एक एक्टर के रूप में अपने टैलेंट को एक्सप्लोट करने का सबसे अच्छा मौका है। मुझे भारत के लोगों से अपार प्यार मिला है और उम्मीद है आगे भी मिलेगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह की फिल्म 83 रिलीज होने का इंतजार कर रही है। इस फिल्म में वह पूर्व भारतीय क्रिकेटर कपिल देव के किरदार में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास जयेशभाई जोरदार और सर्कस जैसी फिल्में भी है।

गोविंदा संग फिर धमाल मचाने की तैयारी में रवीना

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और रवीना टंडन 90 के दशक की सबसे पसंदीदा जोड़ी थी। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। अब एक बार फिर गोविंदा और रवीना टंडन साथ नजर आने वाले हैं। रवीना टंडन ने सोशल मीडिया पर गोविंदा संग कुछ तस्वीरें शेयर की है। तस्वीर शेयर करते हुए रवीना ने लिखा, 'द ग्रैंड रियूनियन, हम दोनों साथ आए हैं स्क्रीन पर वापस आने के लिए। क्या, कहां, कब, सब जल्द पता चल जाएगा। किसी डिस्को में जाएं।' रवीना टंडन की इस पोस्ट को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फैंस दोनों को एक बार फिर साथ देखने के लिए बेसब्री से इंतजार करने लगे हैं। गोविंदा और रवीना टंडन ने दूल्हे राजा, आंटी नंबर 1, अखियों से गोली मारे, वाह तेरा क्या कहना' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है।

झूलन गोस्वामी की बायोपिक से पर्दे पर कमबैक करेंगी अनुष्का

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा पर्दे पर आखिरी बार साल 2018 में फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। इस फिल्म की असफलता के बाद से ही अनुष्का पर्दे से गायब है। फैंस उन्हें एक बार फिल्म पर्दे पर देखने के लिए बेताब है। हालांकि अब फैंस का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। खबरों के अनुसार अनुष्का शर्मा ने अपनी अगली फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है। अनुष्का शर्मा भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की घोषणा बीते साल की गई थी। झूलन गोस्वामी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 333 विकेट वाली दुनिया पहली और एकमात्र महिला खिलाड़ी हैं। बीते दिनों अनुष्का शर्मा की एक तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हुई थी। इस तस्वीर में अनुष्का भारतीय महिला क्रिकेटर की ड्रेस में नजर आई थीं। यह तस्वीर कोलकता के ईडन गार्डन की थी। हालांकि इसके बाद फिल्म के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई थी।

काफी समय से फिल्म की कोई अपडेट सामने नहीं आने के बाद ऐसे कयास लगाए जाने लगे की फिल्म पर काम बंद हो गया है। लेकिन अब ताजा खबरों के अनुसार फिल्म की स्क्रिप्ट अभी लिखी जा रही है और फिल्म बंद नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिरी में या अगले साल की शुरुआत में शुरू होगी। बता दें कि अनुष्का शर्मा बतौर एक्ट्रेस फिल्मी पर्दे से लंबे वक्त से गायब हो, लेकिन वह निर्माता के तौर पर सक्रिय हैं। इस दौरान उन्होंने वेब सीरीज पाताललोक और फिल्म बुलबुल को प्रोड्यूस किया है। वह इन दिनों मदरहुड एंजॉय कर रही हैं।

कनिका ढिल्लों ने बताया कि उन्हें क्यों आकर्षित करते हैं ग्रे किरदार?

पटकथा लेखक कनिका ढिल्लों, जिनकी नई फिल्म 'हसीन दिलरुबा' रिलीज हो गई है, उन्होंने इस बारे में खुल कर बात की है कि उन्हें जटिल और ग्रे किरदार की ओर क्या आकर्षित करता है। उनका कहना है कि वह रियल या रील लाइफ में सीधे-सादे लोगों को नहीं समझ पाती हैं। उन्होंने बताया ''हम सभी वास्तविक जीवन में ग्रे और जटिल, सनकी और मजाकिया, और कभी-कभी हास्यास्पद हैं। यही हमारे जीवन को मसाला देता है। मैं इसे अपने पात्रों में परदे पर कैद करना चाहती थी क्योंकि वास्तविक जीवन में या रील लाइफ में सीधे लोगों को समझ नहीं पाती हूं। उन्हें शुरू से जानने या समझने के लिए कुछ भी नहीं है। वे सुंदर और पूर्ण हैं और जब कुछ सुंदर और पूर्ण होता है तो करने के लिए और कुछ नहीं रहता है। आप इसे दूर से ही देख सकते हैं।'' 'हसीन दिलरुबा' में अभिनेत्री तापसी पन्नू द्वारा निभाए गए रानी के चरित्र के बारे में बात करते हुए, कनिका ने कहा, ''रानी एक ऐसी महिला थी जो एक अरेंज मैरिज सेट-अप पर बातचीत करने की कोशिश कर रही थी। वो एक नियमित लड़की के सामने आने वाली हिचकी का सामना कर रही थी, लेकिन संकल्प जो कभी-कभी अनिश्चित होते हैं, अच्छी लड़की के फ्रेम से विचलित होते हैं, जिसका हम जश्न मनाने के आदी हैं। वह अपनी कामुकता के बारे में खुली है, जो आज भी कई लोगों को नाराज कर सकती है।''

लेखिका का कहना है कि वह जानबूझकर एक ऐसी महिला बनाना चाहती थीं जो नारीवाद की एक अलग परिभाषा ला सके। उनका कहना है, ''वह त्रुटिपूर्ण है, और वह इसके लिए एक कीमत चुकाती है। वह एक गड़बड़ और उस अराजकता में आखिरकार उसे एक रास्ता मिल जाता है। लेकिन इससे पहले उसे एक अविश्वसनीय, लगभग असत्य, यात्रा से गुजरना पड़ता है जो उसकी प्रवृत्ति पर सवाल उठाएगी आत्म-संरक्षण और छुटकारे की तलाश में वह कितनी दूर जाने वाली थी!'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं हमेशा से जानती थी कि रानी स्व-घोषित ध्वजवाहकों को एक नारीवादी सिनेमा की तरह दिखना चाहिए। लेकिन मैं अपने दर्शकों के लिए फिल्म बना रही हूं, इसलिए मैं यह जानने के लिए ज्यादा उत्साहित हूं कि वे इसके बारे में क्या सोचते हैं।

फिल्म रंग दे बसंती में फरहान अख्तर को ऑफर हुआ था यह रोल

फिल्मकार राकेश ओमप्रकाश मेहरा और फरहान अख्तर के 'भाग मिल्खा भाग' से बॉक्स ऑफिस पर इतिहास बनाने से काफी पहले निर्देशक ने अभिनेता को 'रंग दे बसंती' फिल्म में एक अहम किरदार की पेशकश की थी। साल 2006 में आई आमिर खान अभिनीत फिल्म 'रंग दे बसंती' कुछ कॉलेज के छात्रों की कहानी थी जो बाद में किसी वजह से बागी बन जाते हैं। मेहरा ने अख्तर को करण सिंघानिया की भूमिका की पेशकश की थी जो बाद में दक्षिण के अभिनेता सिद्धार्थ ने निभाई थी। राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने कहा कि फरहान अख्तर ने 2001 में दिल चाहता है फिल्म के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रखा, उनकी इस फिल्म में भी आमिर खान थे और वह उस वक्त फिल्म 'लक्ष्य' की शूटिंग पूरी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने फरहान अख्तर को किरदार की पेशकश की तो वह हैरत में पड़ गए। राकेश ओमप्रकाश मेहरा एक इंटरव्यू के दौरान, वह सच में काफी खुश हुए, क्योंकि उन्होंने दिल चाहता है फिल्म बनाई ही थी और 'लक्ष्य' फिल्म की शूटिंग पूरी कर रहे थे। मैंने उनसे कहा कि मैं चाहता हूं कि वह मेरी फिल्म में अभिनय करें और उन्हें उस वक्त यकीन नहीं हुआ। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें करण के किरदार की पेशकश की थी। फरहान मोहित हुए। मैं उनकी आंखों में चमक देख सकता था। उन्होंने सोचा कि इस व्यक्ति को क्या हो गया है जो मुझे फिल्म में अभिनय करते हुए देखना चाहता है? निर्देशक ने कहा कि फरहान अख्तर को स्क्रिप्ट पसंद आई लेकिन वह उस समय अभिनय नहीं करना चाहते थे। कुछ साल बाद फरहान ने 2008 में 'रॉक ऑन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। पांच साल बाद उन्होंने मेहरा की 'भाग मिल्खा भाग' में अभिनय किया। यह फिल्म दिग्गज एथलिट दिवंगत मिल्खा सिंह के जीवन पर आधारित है। एक बार फिर राकेश ओमप्रकाश मेहरा- फरहान अख्तर की जोड़ी 'तूफान' में दिखेगी और यह भी खेल ड्रामा है।

आज 'सबसे बड़ी चैरिटी' है किसी को नौकरी देना

बॉलीवुड अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनू सूद ने रविवार को ट्विटर पर सुझाव दिया कि वर्तमान समय में सबसे बड़ा दान दूसरों को नौकरी देना है। सोनू सूद ने रविवार को ट्वीट किया, 'आज के समय में आप जो सबसे बड़ा दान कर सकते हैं वह है, किसी को रोजगार देना।' अभिनेता का ट्वीट ऐसे समय में आया है जब चल रहे कोविड -19 महामारी ने एक साल से ज्यादा समय से बहुत से लोगों को बेरोजगार कर दिया है, जो अपना गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच सोनू सूद ने हाल ही में अपने सूद चैरिटी फाउंडेशन के जरिए सीए की मुफ्त शिक्षा देने की पहल शुरू की है। इसके माध्यम से, अभिनेता का लक्ष्य प्रतिभाशाली छात्रों को मुफ्त कोचिंग, इंटर्नशिप के अवसर और अंत में रोजगार दिलाने में मदद करना है। उसी की घोषणा करते हुए, सोनू ने हाल ही में ट्वीट किया: ''भारत की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए, हमें उज्जवल सीए की आवश्यकता है। एक छोटा कदम।'' अभिनेता यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले केरल के कुछ स्थानों पर छात्र ऑनलाइन कक्षाओं से न चूकें। सोनू ने शनिवार को ट्वीट किया, ''केरल में मोबाइल टावर की रेकी शुरू, कोई भी छात्र अपनी ऑनलाइन क्लास मिस नहीं करेगा।''

भारत और यूके के बीच वित्तीय सहयोग को और मजबूत करने की हैं बड़ी संभावनाएं

नेशनल डेस्क। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच वित्तीय सेवा सहयोग को मजबूत बनाने की अपार संभावनायें मौजूद है। भारत और यूके ने कल देर शाम वर्चुअल माध्यम से भारत-यूके फाइनेंशल मार्केट डायलॉग (वित्तीय बाजार संवाद -- ''संवाद'') की उद्घाटन बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में यह बात कही है। वित्त मंत्रालय द्वारा आज यहां जारी बयान के अनुसार वित्तीय सेक्टर में द्विपक्षीय सम्बंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिये अक्टूबर 2020 में 10वें आर्थिक और वित्तीय संवाद (ईएफडी) की स्थापना की गई थी। वित्तीय सहयोग, 2030 रोडमैप की बुनियाद है, जो दोनों देशों ने अपने प्रधानमंत्रियों की हाल ही में हुई मुलाकात के दौरान अपनाया था। इन सेवाओं को मद्देनजर रखते हुये, दोनों पक्ष इस बात पर एकमत थे कि भारत और यूके के बीच वित्तीय सेवा सहयोग को मजबूत बनाने की अपार संभावनायें मौजूद हैं। इस संवाद में भारतीय पक्ष से वित्त मंत्रालय के अधिकारी और यूके की तरफ से वहां के वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में भारत और यूके की स्वतंत्र नियामक एजेंसियों ने भी हिस्सा लिया, जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण, बैंक ऑफ इंग्लैंड और फाइनेंशियल कंडक्ट अथॉरिटी शामिल थे। भारतीय और यूके के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने दायित्वों वाले क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर अपना नजरिया साझा किया।

एयर कंडीशनर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ब्लू स्टार को दूसरी तिमाही से कारोबार में सुधार की उम्मीद

बिजनेस डेस्क। एयर कंडीशनर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ब्लू स्टार लिमिटेड को उम्मीद है कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर कमजोर पड़ने के बाद चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से कारोबार में सुधार होगा। कंपनी के अध्यक्ष शैलेश हरिभक्ति ने कहा कि महामारी से सबक लेने के बाद कंपनी अब किसी खास भौगोलिक क्षेत्र पर निर्भरता और मौसमी जोखिमों को कम करने के साथ ही निर्यात बढ़ाने पर जोर दे रही है। ब्लू स्टार हाल ही में सरकार द्वारा घोषित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में भाग लेने की तैयारी भी कर रही है। हरिभक्ति ने कंपनी के शेयरधारकों से कहा, ''कोविड की दूसरी लहर के चलते पैदा हुए हालात के कारण अर्थव्यवस्था और हमारा कारोबार वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में ठहर सा गया और हमें एक और खराब गर्मी के सत्र का सामना करना पड़ा।'' उन्होंने आगे कहा, ''स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और तेजी से टीकाकरण अभियान के साथ मुझे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही से चीजें बेहतर होने लगेंगी।''

दूसरी तिमाही से कारोबार में सुधार होगा : अध्यक्ष ब्लू स्टार

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कमजोर पड़ने के बाद चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से कारोबार में सुधार होने की संभावना एयर कंडीशनर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ब्लू स्टार लिमिटेड ने जताई है। कंपनी के अध्यक्ष शैलेश हरिभक्ति ने कहा कि महामारी से सबक लेने के बाद कंपनी अब किसी खास भौगोलिक क्षेत्र पर निर्भरता और मौसमी जोखिमों को कम करने के साथ ही निर्यात बढ़ाने पर जोर दे रही है। ब्लू स्टार हाल में सरकार द्वारा घोषित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में भाग लेने की तैयारी भी कर रही है। हरिभक्ति ने कंपनी के शेयरधारकों से कहा, 'कोविड की दूसरी लहर के चलते पैदा हुए हालात के कारण अर्थव्यवस्था और हमारा कारोबार वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में ठहर सा गया और हमें एक और खराब गर्मी के सत्र का सामना करना पड़ा।' उन्होंने आगे कहा, 'स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और तेजी से टीकाकरण अभियान के साथ मुझे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही से हालात में सुधार होने लगेंगा।'

बदली हुई कैबिनेट की पहली मीटिंग में हुआ हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 23,123 करोड़ रुपए के पैकेज का ऐलान

(एजेंसी)।

कोरोना से लड़ने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने को लेकर 23,123 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दे दी है। जानकारी के लिए बता दें कि इस पैकेज का इस्तेमाल 20,000 ICU बैड और 2.4 लाख मेडिकल बैड्स को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा इसमें बच्चों के लिए मेडिकल सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाएगा। मंत्रिमंडल में बदलाव होने के बाद गुरुवार को हुई इस मीटिंग की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। इसमें हेल्थ मिनिस्टर मनसुख मंडाविया ने बताया है कि इस पैकेज को अगले नौ महीनों में लागू किया जाएगा। मंडाविया ने कहा कि इससे पहले केंद्र सरकार ने देश भर में कोरोना के इलाज को लेकर अलग हॉस्पिटल बनाने के लिए 15,000 करोड़ रुपए दिए थे। मंडाविया ने बताया कि अब ऑक्सीजन और दवाओं की स्टोरेज को लेकर जिला स्तर पर सुविधाएं भी बनाई जाएंगी।

ब्रिटेन की कंपनियों को भारत ने बीमा क्षेत्र में निवेश करने के लिए किया आमंत्रित

बिजनेस डेस्क। भारत ने ब्रिटेन की कंपनियों को बीमा क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है, जबकि ब्रिटेन ने भारतीय कंपनियों के लंदन शेयर बाजार में सीधे सुचीबद्ध होने की पेशकश की है। इस साल भारत ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा सरकार ने कंपनियों को घरेलू बाजार में सूचीबद्ध हुए बिना विदेशों में सूचीबद्ध होने की अनुमति दी। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों देशों के बीच गुरुवार देर शाम आभासी माध्यम से भारत-ब्रिटेन वित्तीय बाजार संवाद की पहली बैठक हुई। वित्तीय क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए अक्टूबर 2020 में इस संवाद की स्थापना हुई थी। बैठक में वित्त मंत्रालय के आला अधिकारियों के साथ ही स्वतंत्र नियामक एजेंसियों ने भी हिस्सा लिया, जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण, भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण और बैंक ऑफ इंग्लैंड शामिल थे। इस दौरान बैंकिंग और भुगतान, बीमा और पूंजी बाजार से जुड़े मुद्दों पर दोनों देशों ने खासतौर से विमर्श किया।

भारी उद्योग मंत्री के रूप में महेंद्र नाथ पांडेय ने संभाला पदभार

(एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडे ने शुक्रवार को भारी उद्योग मंत्रालय के रूप में कार्यभार संभालते हुए कहा कि वह उद्योग के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। पांडेय ने ट्वीट कर कहा, ''हम मंत्रालय के अधीन आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' इसके अलावा भारी उद्योग राज्यमंत्री के रूप में कृष्ण पाल ने कार्यभार संभाला। उल्लेखनीय है कि भारी उद्योग मंत्रालय ने हाल में देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को तेजी से अपनाने और इसके विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण को दो साल के लिए 31 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और साझा परिवहन के साधनों के विद्युतीकरण का समर्थन करना है।

पेटीएम का राजस्व बढ़ा, प्रतियोगियों कंपनियों को कैशबैक के लिए दोगुना पैसा खर्च करना पड़ रहा है: बर्नस्टीन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत का प्रमुख डिजिटल वित्तीय सेवा प्लेटफॉर्म पेटीएम का राजस्व लगातार बढ़ा रहा है । इतना ही नहीं, साल दर साल यह अपने घाटे में भी कटौती कर रहा है। कंपनी अपने सुपर ऐप यूपीआई प्ले में भी एक बड़े एडवांडेज में है, जहां यह टॉप प्लेयर में से एक है। हालांकि, अपने प्रतिस्पर्धियों फोनपे और गूगल पे के विपरीत, पेटीएम विकास को गति देने के लिए कैशबैक और प्रोत्साहन पर निर्भर नहीं है। दूसरी ओर, जहां प्रतिस्पर्धियों के पास पैसे की कमी है, वहीं पेटीएम राजस्व की जमकर कमाई कर रहा है और जल्द ही ब्रेक ईवन के लिए तैयार है।

बर्नस्टीन की रिपोर्ट के अनुसार:

1. पेटीएम वास्तविक राजस्व कमा रहा है , जबकि इसके प्रतियोगी कैशबैक और उपयोगकताओं को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन पर भारी खर्च करना पड़ता है। बर्नस्टीन की रिपोर्ट में कहा गया है, फोनपे और गूगल पे ग्राहकों को प्रोत्साहन प्रदान करने और 2.5-3.0 गुणा राजस्व विपणन पर खर्च करना पड़ता है। उधर, पेटीएम ने अपने मार्केटिंग खर्च को सुव्यवस्थित किया है।
2. एनपीसीआई 30 फीसदी मार्केट कैप से फोनपे को भारी नुकसान होगा। एनपीसीआई ने पहले ही थर्ड पार्टी एग्रीगेटर ऐप्स पर 30 फीसदी मार्केट शेयर कैप लगा दी है, जो कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लागू नहीं है। बर्नस्टीन की रिपोर्ट में कहा गया है, इसका मतलब यह होगा कि फोन पे और गूगल पे को अपनी बाजार हिस्सेदारी को धीरे-धीरे 30 फीसदी की सीमा तक लाने के लिए अपने ग्राहक प्रोत्साहन को कम करना होगा।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है, सुपर-ऐप की लड़ाई सिर्फ मार्केट शेयर के लिए मार्केटिंग डॉलर को आगे बढ़ाने से आगे बढ़ रही है । फोनपे और गूगल पे 2-3 गुणा राजस्व खर्च करते हैं, क्योंकि यूपीआई मार्केट शेयर कैप्स में आता है।

3. पेटीएम का रणनीतिक और निवेश फोकस दो क्षेत्रों में स्थानांतरित हो गया है- ए) यूपीए से परे एक पूर्ण-स्टैक भुगतान सूट का निर्माण - पॉइंट-ऑफ-सेल, पेटीएम पेमेंट्स गेटवे, पेटीएम पेमेंट्स बैंक

बी) एक वित्तीय सेवा मंच का निर्माण - भुगतान-बाद में उधार (पेटीएम पोस्टपेड) और धन प्रबंधन/बीमा (पेटीएम मनी) पर ध्यान देने के साथ

4. 43 करोड़ से अधिक लेनदेन के साथ पेटीएम पेमेंट्स बैंक यूपीआई क्षेत्र में सबसे बड़ा लाभार्थी बैंक बना हुआ है। यह एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, यस बैंक, एक्सिस बैंक जैसे संस्थागत बैंकों से आगे बढ़ा है।
5. पी टू एम क्षेत्र में पेटीएम की ठोस उपस्थिति है- इसके अतिरिक्त, यूपीआई क्षेत्र में सबसे बड़ा लेनदेन चालक पी टू एम खंड है, जिसमें पेटीएम ने अपनी बढ़त मजबूत की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेटीएम वॉलेट, यूपीआई, पीओएस और ऑनलाइन भुगतान में मर्चेंट पेमेंट शेयर बढ़ा रहा है।
6. पेटीएम का कैप्टिव यूजर बेस और इसके सक्रिय मासिक यूजर्स साल-दर-साल बढ़ रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस के शेयरों में नुकसान से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 182.75 अंक करीब 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ ही 52,386.19 अंक पर बंद हुआ।

वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 38.10 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी फिसलकर 15,689.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा करीब 2 फीसदी की गिरावट बजाज ऑटो के शेयरों में रही। इसके अलावा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और एनटीपीसी के शेयर ऊपर आये हैं। बाजार जानकारों के अनुसार वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली जारी रहने से घरेलू शेयर बाजार फिसले हैं। वहीं धातु, दवा और रियल्टी सूचकांक में उछाल आया जबकि टीसीएस की आय अनुमान से कम रहने से आईटी सूचकांक गिरा है। मध्यम और छोटी कंपनियों (मिडकैप और स्मॉलकैप) के शेयरों में जमकर खरीददारी (लिवाली) दर्ज की गयी है क्योंकि लाभ की संभावना बढ़ने से निवेशक इसमें पैसा लगाने के लिए उत्साहित हैं। कोरोना को लेकर लगायी पाबंदियों में राहत से भी कारोबार बढ़ा है।

टीसीएस का मुनाफा 28.5 प्रतिशत उछला

मुंबई । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 28.5 प्रतिशत उछलकर 9,008 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर से घरेलू कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिससे कुल वृद्धि प्रभावित हुई। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता कंपनी को इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में 7,008 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। अरब डॉलर से अधिक मूल्य के टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टीसीएस ने कहा कि जून तिमाही का परिणाम दो अलग-अलग प्रवृत्तियों की कहानी है। एक तरफ जहां अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों और बैंक जैसे महत्वपूर्ण खंडों में अच्छी वृद्धि हुई, वहीं घरेलू बाजार पर प्रतिकूल असर रहा।हालांकि कंपनी ने कहा कि परंपरागत रूप से उसके लिये घरेलू बाजार खास महत्वपूर्ण बाजारों में नहीं रहा है। लेकिन स्थिति में सुधार के संकेत दिख रहे हैं और पूर्व में 2021-22 के लिये जो दहाई अंक में आय वृद्धि का अनुमान जताया गया था, उसे पूरा करने का भरोसा है। टीसीएस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक राजेश गोपीनाथन ने कहा कि दूसरी लहर से आय पर करीब 350 करोड़ रुपये का असर पड़ा क्योंकि पासपोर्ट जारी करने और परीक्षण-केंद्रित टीसीएस आईओएन जैसे व्यवसाय प्रभावित रहे। मार्च तिमाही से तुलना करने पर भारत से कंपनी की आय 14 प्रतिशत घटकर 2,085 करोड़ रुपये रही। जून तिमाही में इससे पूर्व तिमाही के मुकाबले कुल आय में भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत घटकर 4.6 प्रतिशत रही। कंपनी की एकीकृत आय चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 18.5 प्रतिशत बढ़कर 45,411 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 38,322 करोड़ रुपये थी।

बदल गया है रेल कर्मचारियों के काम का तरीका, अब दो शिफ्टों में करनी होगी ड्यूटी

(एजेंसी)।

नौकरशाह-उद्यमी से नेता बने अश्विनी वैष्णव ने देश के नए रेल मंत्री के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। मंत्रालय संभालते ही उन्होंने कामकाज में बड़ा बदलाव किया है। रेल मंत्री ने स्टाफ को दो शिफ्ट में काम करने का आदेश दिया है। पहली शिफ्ट सुबह 7 बजे शुरू होगी और शाम 4 बजे खत्म होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे शुरू होगी और मध्यरात्रि में 12 बजे तक चलेगी। रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कार्यालय की ओर से जारी किए गए आदेश के अनुसार तत्काल प्रभाव से मंत्रालय के सभी स्टाफ दो शिफ्ट में काम करेंगे। इसके अलावा अश्विनी वैष्णव रेलवे की कमाई बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाने पर विचार विमर्श कर रहे हैं। रेल मंत्रालय के एडीजी पीआर डीजे नारायण के मुताबिक यह आदेश सिर्फ एमआर सेल (मंत्री कार्यालय) के लिए जारी किया गया है न कि प्राइवेट या रेलवे स्टाफ के लिए। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1994 बैच के पूर्व अधिकारी वैष्णव ने 15 वर्ष से अधिक समय तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। वैष्णव को खासतौर से बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की रूपरेखा बनाने में उनके योगदान के लिए जाना जाता है जो उन्हें रेल क्षेत्र में भी मदद करेगा। उन्होंने जनरल इलेक्ट्रिक एंड सिमंस जैसी कई बड़ी वैश्विक कंपनियों में भी नेतृत्व भूमिकाएं निभायी हैं। वैष्णव ने पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल से एमबीए और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर से एम.टेक किया है। उनके पास संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के दो अन्य महत्वपूर्ण विभाग भी रहेंगे।

प्लम वुड इंवेस्टमेंट और ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने कंपनी में निवेश किए 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर

(एजेंसी)।

ओला ने शुक्रवार को कहा कि टेमासेक, वारबर्ग पिंकस से जुड़ी प्लम वुड इंवेस्टमेंट और ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ से पहले उसमें 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 3,733 करोड़ रुपए) का निवेश किया है। ओला ने एक बयान में कहा कि फंडों द्वारा भारतीय उपभोक्ताओं का इंटरनेट क्षेत्र में यह सबसे बड़ा निवेश है। ओला अपने राइड-हेलिंग व्यवसाय का विभिन्न श्रेणियों और भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार कर रही है। कंपनी के चेयरमैन और समूह सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा, ''पिछले 12 महीनों में हमने अपने राइड-हेलिंग व्यवसाय को और अधिक मजबूत, लचीला और कुशल बनाया है।'' राइड-हेलिंग व्यवसाय के तहत आनलाइन या एप्लिकेशन आधारित मंचों के जरिए उपयोगकर्ता निजी गाड़ी या ड्राइवर किराए पर ले सकते हैं। अग्रवाल ने कहा कि वह विकास के अगले चरण में नए भागीदारों को साथ लेने के लिए तत्पर हैं। कंपनी ने हालांकि अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई।

लेनोवो ने भारत में किया 2 नए डिटैचेबल पीसी का अनावरण

बेंगलुरु (एजेंसी)।

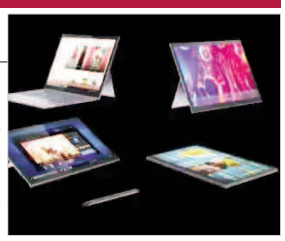

लेनोवो ने शुक्रवार को भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अपने प्रीमियम डिटैचेबल पीसी-योगा डुएट 7आई और आइडियापैड डुएट 3 का अनावरण किया है। 12 जुलाई से लेनोवो योगा डुएट 7आई को लेनोवो डॉट कॉम और अमेजन डॉट इन पर 79,999 रुपये और आइडियापैड डुएट 3 को लेनोवो डॉट कॉम और ऑनलाइन पार्टनर में उपलब्ध कराया जाएगा। लेनोवो इंडिया के टैबलेट और स्मार्ट डिवाइस के निदेशक पंकज हरजाई ने एक बयान में कहा, हम नए डिटैचेबल पीसी को पेश करने के लिए उत्साहित हैं, जो ग्रैब-एंड-गो फॉर्म फैक्टर के नवाचार को अगले स्तर पर ले जाएगा और एक पोर्टेबल, लेकिन व्यावहारिक और सुरक्षित डिवाइस की आवश्यकता को पूरा करेगा। हरजाई आगे कहते हैं, यूजर्स इनका इस्तेमाल अपने काम के हिसाब से कर सकते हैं उदाहरण के तौर पर पढ़ाई या काम के लिए इनका इस्तेमाल पीसी के रूप में और मनोरंजन व स्केचिंग के लिए इनका इस्तेमाल टैबलेट के रूप में किया जा सकेगा। लेनोवो योगा डुएट 7आई एक योग पीसी है, जिसमें एक अलग करने योग्य, बैकलिट ब्लूटूथ 5 कीबोर्ड है, जो फ्रीस्टाइल वर्किंग मोड को सक्षम बनाता है। साथ ही बेहतर व्यूइंग और स्वीचिंग के लिए इसमें एक एडजेस्टेबल किकस्टैंड भी है। यह अल्ट्रा-थिन डिटेचेबल 2-इन-1 में यूजर्स टैबलेट मोड या लैपटॉप मोड में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं। इसमें लेनोवो वॉयस असिस्टेंट, विंडोज हैलो के साथ आईआर कैमरा के जरिए अधिक सुरक्षित फेशियल लॉगिन और इंटेलीजेंट प्रेजेंस-सेन्सिंग जैसे कई फीचर्स हैं। इसे एक रिचार्जेबल लेनोवो ई-कलर पेन के साथ पेश किया जाएगा, जिसमें एक बिल्ट-इन स्मार्ट सेंसर होगा, जिससे यूजर्स ऑब्जेक्ट की सतह को पेन की नोक से छूकर दबाते ही गाइड्स या किसी रियल-लाइफ ऑब्जेक्ट से कलर्स को चुन सकेंगे। यह प्रीमियम डिवाइस 11वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई5 प्रोसेसर और इंटेल आइरिस एक्सई ग्राफिक्स द्वारा संचालित है और इसमें डॉल्बी ऑडियो और डॉल्बी विजन के साथ एक उत्कृष्ट ऑडियो-विजुअल परफॉर्मेंस है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश जून तिमाही में नौ गुना बढ़कर 1.35 अरब डॉलर पर: जेएलएल

नई दिल्ली (एजेंसी):

संपत्ति सलाहकार जेएलएल इंडिया के अनुसार अचल संपत्ति बाजार में संस्थागत निवेश मौजूदा वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सालाना आधार पर लगभग 9 गुना बढ़कर 1.35 अरब डॉलर हो गया। इसका मुख्य कारण भंडारण सुविधा की परियोजनाओं में धन की आमद का बढ़ना रहा। जेएलएल इंडिया ने 2021 की दूसरी तिमाही में अपनी 'कैपिटल मार्केट्स' रिपोर्ट में कहा कि संस्थागत निवेशकों ने 2021 कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान अचल संपत्ति में 135.7 करोड़ डॉलर का निवेश किया जो इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में केवल 15.5 करोड़ डॉलर था।रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही के दौरान भंडारण क्षेत्र में सबसे अधिक 74.3 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ। जबकि इससे पिछले की इसी अवधि में यह 4.1 करोड़ डॉलर था। वहीं खुदरा अचल संपत्तियों में निवेश मौजूदा कैलेंडर वर्ष दूसरी तिमाही में 27.8 करोड़ डॉलर रहा। इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में हालांकि इस क्षेत्र में किसी भी तरह का निवेश नहीं हुआ था। कोविड-19 के प्रभाव के बाद कार्यलयों के लिए संपत्ति बाजार में बड़ा निवेश हुआ। इस श्रेणी में मौजूदा वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान 23.1 करोड़ का निवेश हुआ, जो पिछले की इसी तिमाही में 6.6 करोड़ डॉलर का था। जेएलएल इंडिया की मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष और प्रमुख राधा धीर ने कहा कि वर्ष 2021 की पहली छमाई में कोरोना की दूसरी लहर के बावजूद 2.7 अरब डॉलर का निवेश आया जो वर्ष 2020 में आये कुल निवेश का 53 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, ''निवेशक स्थिति के अनुसार ढल रहे हैं और अनिश्चित वातावरण के अनुकूल हो रहे हैं। 2021 के पहले तीन महीनों के दौरान लॉकडाउन में ढील ने भी निवेशकों को महामारी से निपटने का अनुभव दिया।''

तोक्यो पैरालंपिक में दर्शकों को मिल सकती है अनुमति : हाशिमोटो

तोक्यो । तोक्यो ओलंपिक आयोजक उम्मीद लगाए हैं कि पैरालंपिक खेलों के दौरान कुछ दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। आयोजन समिति के अध्यक्ष सेको हाशिमोटो ने शुक्रवार को कहा कि पैरालंपिक में दर्शकों को अनुमति देने का फैसला आठ अगस्त को ओलंपिक खत्म होने के बाद किया जाएगा। पैरालंपिक खेल 24 अगस्त से शुरू होंगे जिसमें 4,400 खिलाड़ी शिरकत करेंगे। ओलंपिक खेलों में 11,000 एथलीट हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने गुरूवार को कोरोना आपातकाल की घोषणा की थी जो सोमवार से प्रभावी होगा और 22 अगस्त को खत्म होगा। हाशिमोटो ने कहा, 'ओलंपिक खेल खत्म होने के बाद जितना जल्दी संभव होगा, हम इस पर फैसला करना चाहेंगे। क्योंकि अगर इसमें इससे ज्यादा देरी हुई तो इससे पैरालंपिक की तैयारियों पर असर पड़ेगा।'

ओलंपिक काउंटडाउन : टोक्यो में सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार भारतीय निशानेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत इस बार 15 सदस्यीय शूटिंग दल टोक्यो ओलंपिक में भेजा रहा है और ये निशानेबाज राइफल शूटर अभिनव बिंद्रा और पिस्टल निशानेबाज विजय कुमार से प्रेरणा लेकर ओलंपिक में सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार हैं। बिंद्रा जो 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं, उन्होंने भविष्य के निशानेबाजों के लिए बेंच मार्क सेट किया है। भारत इस बार निशानेबाजी में अपना सबसे बड़ा दल भेज रहा है और उसे 2004 एथेंस ओलंपिक के बाद अधिक पदक लाने की उम्मीद है। भारत ने एथेंस के बाद से निशानेबाजी में चार पदक जीते हैं। राजवर्धन सिंह राठौड़ ने एथेंस में रजत पदक, बिंद्रा ने बीजिंग ओलंपिक में तथा विजय ने फायर पिस्टल में रजत जीता था जबकि 2012 लंदन ओलंपिक में राइफल मार्कस्मैन गगन नारंग ने कांस्य पर निशाना साधा था। 2016 रियो ओलंपिक निराशाजनक रहा और बिंद्रा पदक जीतने से चूक गए। हालांकि शूट ऑफ में हारने के बाद वह चौथे स्थान पर रहे थे। मौजूदा भारतीय टीम में सिर्फ राइफल शूटर संजीव राजपूत और स्कीट मार्कस्मैन माइराड अहमद खान के अलावा ज्यादातर युवा हैं। टोक्यो से पहले निशानेबाजों ने क्रोएशिया में ट्रेनिंग तथा टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। भारतीय निशानेबाजों में पिस्टल शूटर मनु भाकर और सौरभ चौधरी हैं जो फॉर्म में हैं और इन्होंने मिश्रित टीम इवेंट में स्वर्ण जीता है। 10 मीटर राइफल शूटर दिव्यांश पंवार हैं जो पदक के मजबूत दावेदार में से एक हैं। इनके अलावा एयर राइफल एलावेनिल वलारीवान हैं जबकि सौरभ चौधरी जिन्होंने 2018 जर्काता एशिया खेलों में स्वर्ण जीता था उनसे भी पदक लाने की काफी अपेक्षा है। राइफल कोच सुमा शिरुर हैं जो पूर्व विश्व रिकॉर्ड होल्डर हैं जबकि पिस्टल कोच समरेश जुंग 2006 मेलबर्न राष्ट्रमंडल खेलों के हीरो हैं जहां उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीते थे। विजय कुमार जो भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल शूटर रहे हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि यह दल ज्यादा पदक जीतेगा और अगर टीम छह पदक से कम जीतती है तो उन्हें निराशा होगी। विजय ने आईएएनएस से कहा, मैं किसी चीज की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। सभी लोग बेहतर हैं। कुछ मिश्रित टीम इवेंट भी टोक्यो में हैं जिससे पदक की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमारी टीम को बेस्ट सुविधाएं मिली है। पिछले दो-तीन महीने से ये विदेश में ट्रेनिंग कर रहे हैं जहां उन्हें कोई परेशान नहीं कर रहा। विदेश में इतने महीने ट्रेनिंग करने से आपको फायदा मिलता है।

भारत के निहाल सरीन नें जीता सर्बिया मास्टर्स शतरंज का खिताब

बेलग्रेड , सर्बिया (एजेंसी)

(**निकलेश जैन**) भारत के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर निहाल सरीन नें अपने खेल जीवन मे एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सर्बिया मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है । आठवे राउंड मे उन्होने सयुंक्त बढ़त पर चल रहे लातविया के ग्रांड मास्टर कोवोलेंकों इगोर को पराजित करते हुए पहले एकल बढ़त हासिल की और फिर अंतिम नौवे राउंड मे टॉप सीड रूस के ब्लादिमीर फेडोसीव से ड्रॉ खेलते हुए खिताब हासिल कर लिया । निहाल नें कुल 9 राउंड मे 6 जीत और 3 ड्रॉ के साथ कुल 7.5 अंक बनाए । खैर इस जीत के साथ एक और बड़ी उपलब्धि निहाल के साथ जुड़ गयी है , निहाल फीडे लाइव रेटिंग मे 2655 अंको के साथ विश्व रैंकिंग मे 81 स्थान की बड़ी छलांग के साथ 88 वे स्थान पर पहुँच गए है और विश्व के शीर्ष 100 खिलाड़ियों मे जगह बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए है । निहाल के अलावा भारत के अर्जुन एरिगासी और आदित्य मित्तल 7 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः सातवे और दसवें स्थान पर रहे । आदित्य मित्तल नें अपना पहला ग्रांड मास्टर नार्म भी इस टूर्नामेंट से हासिल कर लिया है । अर्मेनिया के पेट्रोसियन मेनुयल और रूस के ब्लादिमीर फेडोसीव क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे ।

ओलम्पिक मशाल के आगमन पर टोक्यो ने आयोजित किया समारोह

टोक्यो (एजेंसी):

ओलम्पिक मशाल के आगमन पर स्वागत समारोह टोक्यो में कोमाजावा ओलम्पिक पाक 'स्टेडियम में शुक्रवार को शुरू हुआ। स्पूतनिक के संवाददाता ने यह खबर दी है। गवर्नर युरिको कोइके ने समारोह की शुरुआत की और जापानी राजधानी के क्षेत्र में ओलम्पिक मशाल के आगमन की रिपोर्ट स्वीकार की। कोइके ने प्रदर्शनकारियों के विरोध पर काबू पाते हुए अपनी आवाज बुलंद कर कहा, 'पिछले मार्च में इस मशाल को यूनान से जापान को सौंपा गया था और हमने इसे एक साल तक सरंक्षित रखा। गत 25 मार्च को मशाल रिले को फुकुशिमा से शुरू किया गया। यह मशाल जापान के 40 क्षेत्रों से गुजर चुकी है और अब यह टोक्यो पहुंची है। तमाम परेशानियों के बावजूद हमारे लोगों के राष्ट्रव्यापी प्रयासों के दम पर यह मशाल उम्मीद के प्रतीक के रूप में यहां पहुंच गई है।' समारोह से पहले टोक्यो ओलम्पिक के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले स्टेडियम के बाहर जमा हो गए थे। ओलम्पिक मशाल अब राजधानी के विभिन्न हिस्सों से गुजरेगी और इसकी शुरुआत मचिदा शहर से होगी। 23 जुलाई तक मशाल वापस उद्धायन समारोह के लिए मध्य टोक्यो लौटेगी। टोक्यो ओलम्पिक जुलाई -अगस्त 2020 में होने थे लेकिन कोरोना के कारण इसे एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। ये खेल अब 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होंगे। इस दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किये गए हैं।

ओलंपिक काउंटडाउन : सौरभ और मनु ने कम समय में हासिल किया मुकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के दो पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी और मनु भाकर ने काफी कम समय में नाम कमाया और मुकाम हासिल किया है जिसे टॉप एथलीटों को पूरा करने में जिंदगी लग जाती है। मेरठ के एक गांव से आने वाले 10 मीटर एयर पिस्टल शूटर सौरभ ने व्यक्तिगत और मिश्रित टीम इवेंट में आठ विश्व कप स्वर्ण जीते हैं जिसमें 2018 एशिर्या खेलों में स्वर्ण हासिल करना शामिल है जबकि मनु ने नौ जीते हैं। टोक्यो ओलंपिक में पिस्टल वर्ग में इन दोनों की जोड़ी पर भारत को पदक लाने की उम्मीद है। सौरभ और मनु फिलहाल क्रोएशिय में ट्रेनिंग कर रहे हैं। सौरभ के कोच अमित शिएओरन जो बागपत जिले के बेनोली गांव में एक छोटा शूटिंग रेंज चलाते हैं उन्होंने खेल के प्रति सौरभ की निष्ठा को याद किया। अमित ने आईएएनएस से कहा, सौरभ साईकिल लेकर मेरे रेंज में आते थे जो उनके घर से 12 किमी की दूरी पर था। जहां सभी लोग साढे दस बजे तक अपने ट्रेनिंग पूरी करते थे वहीं सौरभ एक बजे तक ट्रेनिंग करते रहते थे। मैंने कई बार उन्हें चेतावनी दी थी कि उन्हें हीट स्ट्रोक हो सकता है लेकिन वह अपने लक्ष्य पर बढ़ते रहे। दूसरी ओर मनु ने भी काफी सफलता हासिल की। क्वालीफिकेशन में 25 मीटर स्पोटर्स पिस्टल इवेंट में 593 का स्कोर कर वह छठे स्थान पर रहीं। मनु ने 2019 और 2021 में बेहतर किया, विशेषकर सौरभ के साथ मिक्सड टीम इवेंट में जहां उन्होंने इस बात के संकेत दिए कि वह टोक्यो के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाड़ी किर्गियोस ओलंपिक से हटे

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने पेट में चोट और दर्शकों की अनुपस्थिति का हवाला देकर टोक्यो ओलंपिक से हटने का फैसला किया है। किर्गियोस ने कहा कि ओलंपिक में खेलना उनका सपना था। किर्गियोस ने कहा, मेरा हमेशा से ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने का सपना था और मुझे पता है कि मुझे अब यह अवसर शायद नहीं मिलेगा। लेकिन मुझे खुद के बारे में भी पता है। दर्शकों के बिना खेलना मेरे लिए सही नहीं है। उन्होंने साथ ही यह भी बताया कि दर्शकों के शामिल नहीं होने के अलावा उनके पेट में लगी चोट के कारण भी वह ओलंपिक से हट रहे हैं। चोट के कारण ही उन्हें विंबलडन के तीसरे दौर के मैच में हटना पड़ा था। किर्गियोस का बयान ऐसे समय आया है जब जापान सरकार ने स्टेट ऑफ इमरजेंसी की घोषणा की है जिसका मतलब है कि दर्शक ओलंपिक खेलों के दौरान आयोजन स्थल में नहीं जा सकेंगे।

लेंगर ने विंडीज के खिलाफ संयोजन में परिवर्तन के दिए संकेत

सेंट लुसिया। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर का कहना है कि टीम टी 20 विश्व कप को देखते हुए नए संयोजन की कोशिश करेगी और इसकी शुरूआत वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से होगी। रणनीति के हिस्से के मुताबिक ऑलराउंडर मिशेल मार्श नंबर-3 पर बल्लेबाजी करेंगे। लेंगर ने कहा, हमने मार्श को बेहतर करते देखा है। तेज गेंदबाजी के अलावा वह गेंद को अच्छे से हिट कर सकते हैं। हम उन्हें शीर्ष स्थान पर मौका देने के लिए उत्साहित हैं। लेंगर ने इस बात के संकेत दिए कि मोएसिस हेनरिक्स और विकेटकीपर बल्लेबाज बेन मैकडेरमोट को पांच मैचों की सीरीज में मौका मिल सकता है। उन्होंने बताया कि जोश फिलिप को मध्यक्रम में जबकि मैथ्यू वेड बल्लेबाजी में ओपनिंग करने उतर सकते हैं। कोच ने कहा, छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज, यह ऐसा मॉडल है जिसे मैंने अपने कोचिंग करियर में लेकर चला है। किसी को इससे आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं है। यह काफी सफल मॉडल रहा है। लेकिन आगे की ओर देखें तो हम 7-4 का मॉडल भी रख सकते हैं, जहां आप कई ऑलराउंडर को देखेंगे। लेंगर ने कहा, इस साल टी20 विश्व कप भी होना है वो भी यूएई में जहां आईपीएल और पीएसएल के कारण पहले ही कई मुकाबले खेले जा चुके होंगे। इससे पिच थड़ी घिस जाएगी, विशेषकर विश्व कप के अंत में जिसके कारण हमें अपने मुकाबले जीतने के लिए अलग तरीके अपनाने पड़ सकते हैं।

सचिन की तरह ही धोनी की जर्सी को भी रिटायर करे बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए उनकी जर्सी नंबर 7 को अब रिटायर कर देना चाहिये। इससे पहले बीसीसीआई ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की 10 नंबर की जर्सी को रिटायर किया था। सबा ने कहा, मुझे लगता है कि न केवल धोनी की जर्सी, बल्कि बीसीसीआई को कई अन्य भारतीय दिग्गजों की जर्सी को भी संरक्षित करना चाहिए। उन्हें यह भी तय करना चाहिए कि उस दिग्गज की जर्सी नंबर किसी और ने नहीं पहनी हो। इससे भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की उपलब्धियों और योगदान को पहचाना जा सकता है। सबसे अहम बात यह है कि ऐसा करके आप ऐसे दिग्गजों को सम्मान देते हैं। धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के 6 साल बाद पिछले साल (2020) अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था हालांकि धोनी अब भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करते हैं। सबा को उम्मीद है कि खेलना बंद करने के बाद भी धोनी भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि वह अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा नहीं है, मुझे उम्मीद है कि वह भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रख सकते हैं, जैसे उन्होंने इतने वर्षों में की है।

श्रीलंका के परफॉरमेंस विश्लेषक भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच सीमित ओवरों की सीरीज शुरू होने में अब महज कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में श्रीलंका टीम के बल्लेबाजी कोच ग्रांट फ्लोवेर के बाद टीम के परफॉरमेंस विश्लेषक शिरांथा निरोशन भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट के प्रवक्ता ने बताया कि श्रीलंका की पूरी टीम जो इंग्लैंड से मंगलवार को लौटी है, इन्हें आईसोलेशन में रखा गया है। श्रीलंका क्रिकेट ने बयान जारी कर कहा, फ्लोवेर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों, कोचों और सहायक स्टाफ का पीसीआर टेस्ट किया गया जिसमें निरोशन पॉजिटिव पाए गए। फ्लोवेर गुरूवार को कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका में है। यह सीरीज 13 से 25 जुलाई तक खेली जाएगी। श्रीलंका क्रिकेट ने बताया कि मैच से दो दिन पहले 11 जुलाई को एक और राउंड का पीसीआर टेस्ट किया जाएगा।

क्रोशिया रैपिड शतरंज - नीदरलैंड के जॉर्डन को हराकर आनंद नें की अच्छी शुरुआत

जाग्रेब , क्रोशिया (एजेंसी)

(निकलेश जैन) ग्रांड चैस टूर 2021 के तीसरे पड़ाव क्रोशिया ग्रांड चैस टूर रैपिड के पहले दिन कुल 3 राउंड खेले गए । 16 माह बाद ऑन द बोर्ड शतरंज खेल रहे भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन 51 वर्षीय विश्वनाथन आनंद के लिए पहला राउंड अंतर्राष्ट्रीय शतरंज मे उनकी वापसी का गवाह बना । पहले ही राउंड मे आनंद नें नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट पर एक रोचक जीत के साथ टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की । सिसिलियन डिफेंस मे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए आनंद नें घोड़े का बलिदान देकर 54 चालों मे जॉर्डन को पराजित किया । इसके बाद अगले ही राउंड मे आनंद को फ्रांस के मकसीम लागरेव से काले मोहरो से कारो कान ओपेनिंग मे हार का सामना करना पड़ा । तीसरे राउंड मे विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर और सबसे आगे चल रहे रूस के इयान नेपोंनियची से आनंद नें सफ़ेद मोहरो से सिसिलियन ओपेनिंग मे ड्रॉ खेलते हुए पहले दिन 1.5 अंक जोड़ लिए । दूसरे दिन आनंद का मुक़ाबला अजरबैजान के शाकिरयार मेमेद्यारोव ,उक्रेन के अंटोन कोरोबोव और रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से होगा । तीन राउंड के बाद इयान नेपोंनियची 2.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है ,विश्वनाथन आनंद ,मकसीम लागरेव ,ममेद्यारोव ,कोरोबोव ,ग्रीसचुक ,जान डुड़ा और इवान सारिक 1.5 अंक , अनीश गिरि और जॉर्डन 1 अंको पर खेल रहे है ।

ओलम्पिक में हर मैच महत्वपूर्ण है: पीवी सिंधू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रियो ओलम्पिक 2016 में रजत पदक जीतने वाली भारत की पीवी सिंधू का मानना है कि उन्हें टोक्यो ओलम्पिक में अच्छा ड्रा मिला है। दूसरी बार ओलम्पिक में उतरने जा रही सिंधू जानती हैं कि ओलम्पिक में उन्हें मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ेगा और उनकी नजर में हर अंक महत्वपूर्ण होगा। सिंधू ने ओलम्पिक ड्रा पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'ग्रुप चरण में मुझे अच्छा ड्रा मिला है। हांगकांग की लडकियां अच्छा खेलती हैं और उनके साथ मुकाबला अच्छा होगा। हर कोई अपनी टॉप फॉर्म में होगा। मैं अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करती हूं। हर मैच महत्वपूर्ण होगा और मैं मैच दर मैच आगे बढ़ूंगी। यह ओलंपिक्स हैं और यह कतई आसान नहीं होगा, हर अंक महत्वपूर्ण होगा।' 2019 की विश्व चैंपियन सिंधू और बी साई प्रणीत टोक्यो ओलम्पिक में अपने अभियान की शुरुआत अपने ग्रुप चरण में निचली रैंकिंग के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ करेंगे। ओलम्पिक बैडमिंटन प्रतियोगिता के ड्रा गुरूवार को घोषित किये गए। हालांकि चिराग शेट्टी और सात्विक सैराज रेन्किरेड्डी की भारतीय जोड़ी को पुरुष युगल ग्रुप चरण में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भारतीय जोड़ी ग्रुप ए में टॉप सीड और विश्व की नंबर एक जोड़ी इंडोनेशिया के केविन संजय सुकमुलजो और मार्कस फेरनाल्डी गिदोन के साथ रखा गया है। इंडोनेशियाई जोड़ी रेस टू टोक्यो की तालिका में शीर्ष स्थान पर रही थी। ग्रुप ए की अन्य जोड़ियों में विश्व की तीसरे नंबर की जोड़ी चीनी ताइपे के ली यांग और वांग ची लीन और चौथी रैंकिंग की जोड़ी इंग्लैंड के बेन लें और सीन वेंडी शामिल हैं।

शुभमन के रिप्लेसमेंट पर चयन समिति ही करेगी फैसला : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के चोटिल होने के बाद उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई भी फैसला चयन समिति ही करेगी। गांगुली ने कहा कि इस बारे में अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है पर जब भी होगा उसमें चयनसमिति की ही भूमिका होगी। इससे पहले भारतीय टीम प्रबंधन ने अपने प्रशासनिक प्रबंधक गिरीश डोंगरे के जरिये दो बल्लेबाजों पृथ्वी शॉ और देवदत्त पडिक्कल को रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड भेजे जाने की मांग की थी पर चयन समिति ने उसे ठुकरा दिया था। चयन समिति के प्रमुख चेतन शर्मा का कहना था कि पहले से ही मयंग अग्रवाल, लोकेश राहुल सहित चार सलामी बल्लेबाज विकल्प के तौर पर इंग्लैड में हैं इसलिए किसी अन्य को भेजने की जरुरत नहीं है। इस मामले में उठे विवाद पर गांगुली ने कहा कि यह चयनकर्ताओं का काम है। पृथ्वी और पडिक्कल दोनों ही छह मैचों की सीरीज के लिए अभी श्रीलंका दौरे पर हैं। वहीं विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को मेजबान इंग्लैंड टीम के साथ अगस्त में शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

रथयात्रा से पहले पुलिस छावनी में तब्दील जगन्नाथ मंदिर

पुलिस प्रमुख भाटिया, पुलिस आयुक्तसंजय श्रीवास्तव आला अधिकारियों के साथ आज रथयात्रा के मार्ग का निरीक्षण किया

अहमदाबाद । अगले १२ तारीख को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को सरकार ने सशर्त मंजूरी दे दी है । मंजूरी मिलने के बाद जगन्नाथ मंदिर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है । प्रदीप सिंह जाडेजा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगला आरती में हिस्सा लेंगे । जबकि ७ बजे मुख्यमंत्री विजय रूपाणी रथयात्रा का प्रस्तान करवाएंगे । पुलिस प्रमुख आशीष भाटिया, पुलिस आयुक्तसंजय श्रीवास्तव आला अधिकारियों के साथ आज रथयात्रा के मार्ग का निरीक्षण किया । सरसपुर में रणछोड़जी मंदिर का दर्शन करने के बाद गृह मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा, डीजीपी आशीष भाटिया और पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव सहित अधिकारियों ने रथयात्रा के रूट का निरीक्षण किया । सरसपुर में रणछोड़जी मंदिर का दौरा कर वहां होने वाले व्यवस्था का निरीक्षण किया । गुजरात सरकार ने कल रथयात्रा के तमाम रूट पर सुबह ७ बजे से दोपहर २ बजे तक सख्त कर्फ्यू के बीच रथयात्रा निकालने की अनुमति दे दी थी । सुबह ७ बजे निकलने वाली रथयात्रा पांच घंटे में वापस मंदिर में पहुंच जाएगी । इस दौरान लोग टीवी और मोबाइल पर भगवान का दर्शन कर पाएंगे । रथयात्रा के दिन अहमदाबाद शहर में १९ किमी । लंबे रूट पर कर्फ्यू लागू किया जाएगा । इतना ही नहीं कोरोना संक्रमण के खतरे को मद्देनजर रखते हुए प्रसाद वितरण पर भी रोक लगा दी गई है । जगन्नाथ मंदिर के ट्रस्टी महेंद्र झा ने आज संवाददाताओं से कहा कि इस साल भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा अलग तरह से आयोजित की जाएगी । मंदिर की ओर से अपील की गई है कि लोग घर पर बैठकर रथयात्रा का लाभ उठाएं । इस मौके पर गुजरात के गृह मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से भगवान जगन्नाथ जी की १४४वीं परंपरागत रथ यात्रा को कर्फ्यू लगाकर १९ किलोमीटर के रूट को सिर्फ ३ रथ और २ वाहनों के साथ निकालने की अनुमति दी गई है । इस दौरान प्रसाद का वितरण नहीं होगा ।

सोमवार से अक्षरधाम मंदिर दर्शनार्थी-भक्तों के लिए खुलेगा

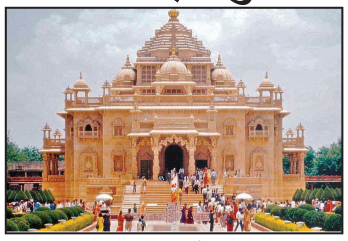

गांधीनगर । कोरोना के दैनिक मामलों में कमी दर्ज होने के बाद गुजरात सरकार ने छूट देने का सिलसिला शुरू कर दिया है । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि गांधीनगर स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर सोमवार को सुबह १० बजे से दर्शनार्थियों के लिए फिर से खोल दिया जाएगा । कोरोना वैश्विक महामारी के चलते नौ अप्रैल से बंद गांधीनगर अक्षरधाम मंदिर फिर से खुल जाएगा ।

दर्शन के लिए अक्षरधाम परिसर में प्रवेश सुबह १०:०० बजे से सुबह ७:३० बजे तक करने की अनुमति दी गई है । मंदिर दर्शन, प्रदर्शनी हॉल, बुक स्टॉल, खेल, प्रेमवती रेस्तरां और हर रोज होने वाले वाटर शो को भी आने वाले भक्त देख सकेंगे । लेकिन नीलकंठ अभिषेक पूजा फिलहाल बंद रहेगी । अक्षरधाम मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले आगंतुकों को अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कोरोना महामारी के संबंध में सरकार के सभी नियमों और दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा । मंदिर परिसर में मास्क पहनना होगा और साथ ही सामाजिक दूरी का भी पालन करना होगा । परिसर में प्रवेश करने से पहले थर्मल स्क्रीनिंग और हाथ को सेनेटाइज करना अनिवार्य होगा । सामान्य से अधिक तापमान के साथ-साथ कोविड -१९ लक्षण वाले आगंतुकों को परिसर में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज गुजरात आएंगे

११ जुलाई की सुबह अमित शाह वेजलपुर और बोपल में होने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे

अहमदाबाद । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल से ३ दिन के लिए गुजरात दौरे पर आ रहे हैं । ११ जुलाई की सुबह अमित शाह वेजलपुर और बोपल में होने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे । उसके अगले दिन १२ तारीख को वह भगवान जगन्नाथ का दर्शन कर मंगणा आरती में अपने परिवार के साथ शामिल होंगे ।

अमित शाह के आगमन को लेकर हर तरह की तैयारियां पूरी की जा चुकी है । वह कल अहमदाबाद पहुंचेंगे ।

उसके बाद वह ११ तारीख को अपने संसदीय सीट बोपल और वेजलपुर में विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे । मिल रही जानकारी के अनुसार उसके बाद वह साबरमती, न्यू वाडज इलाके में मौजूद पंपिंग स्टेशन का उद्घाटन करेंगे । वे अहमदाबाद के घुमा में ९० करोड़ रुपये की लागत से नर्मदा के पानी की आपूर्ति की योजना को अंतिम रूप देंगे ।

अहमदाबाद नगर निगम में नए जोड़े गए क्षेत्रों के लिए नर्मदा से पानी की आपूर्ति करने की घोषणा की थी । अमित शाह १२ जुलाई की सुबह जगन्नाथ मंदिर में अपने परिवार के साथ मंगणा आरती करेंगे । हर साल वे रथयात्रा से पहले परिवार के साथ जगन्नाथ मंदिर की मंगणा आरती में शामिल होते हैं । मिल रही जानकारी के अनुसार उसी दिन वह गांधीनगर में अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे । गांधीनगर स्थित फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भी शिरकत करेंगे ।

पहली बार अहमदाबाद जिले में १.६० लाख बच्चों का सर्वे

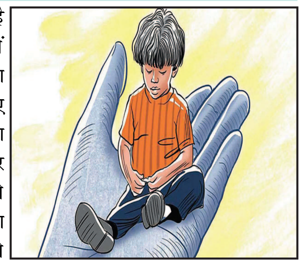

सुरत । अहमदाबाद जिले में कोरोना की तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए पहलीबार बच्चों का सर्वे का काम शुरू किया गया है । इस सर्वे के आधार पर जिन बच्चों में रिस्क फैक्टर यानि की उनमें कोई बीमारी, कमजोरी अथवा कुपोषण जैसे तमाम लक्षण पाए जाने पर ऐसे बच्चों का इलाज मेडिकल टीम द्वारा किया जाएगा । जिले में विभिन्न गांवों में १ लाख ६० हजार बच्चों का सर्वे किया गया है, जिसमें १६०० बच्चों में रिस्क फैक्टर पाया गया है । अहमदाबाद कलेक्टर संदीप सांगले ने भास्कर के साथ बातचीत में बताया कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद जिले में बच्चों का पहली बार सर्वे का काम शुरू किया गया है । जिसमें जिले के अलग-अलग गांवों में ० से ५ साल के लगभग १.६० लाख बच्चों का सर्वे किया गया है । इस सर्वे में पता चला है कि १६०० बच्चे ऐसे है जिनमें रिस्क फैक्टर है । यानि की वे कुपोषण से पीड़ित है अथवा वे किसी बीमारी से पीड़ित है । इसलिए ऐसे बच्चों को चिन्हित किया गया है जिनके लिए इलाज की व्यवस्था की गई है । कलेक्टर ने कहा कि ऐसे बच्चों में कोरोना का संक्रमण बढ़ने की संभावना अधिक देखने को मिल रही है । हमने ऐसे बच्चों की मॉनेटरिंग करने के लिए कंट्रोल रूम से ही नजर रखी जा रही है । जिससे बच्चों को किसी भी तरह की तकलीफ होती है तो उनके तक पहुंचा जा सकें । इसके साथ ही तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए सोला सिविल अस्पताल में पीडियाट्रिक वॉर्ड तैयार किया गया है जिसमें आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ साथ १०० बेड की व्यवस्था की गई है ।

गुजरात में हैजा से पांच की मौत, सौ से अधिक बीमार

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने फोन कर अधिकारियों से कलोल में फैल रहे हैजा के पीड़ितों का हालचाल पूछा

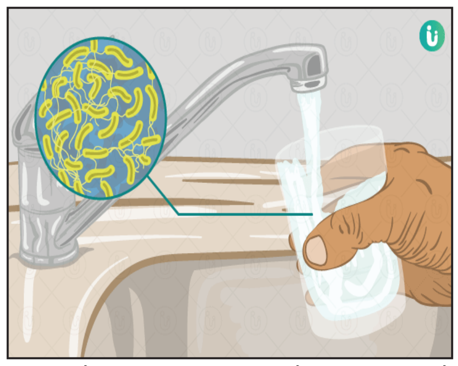

अहमदाबाद । गुजरात में हैजा से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है । उल्टी और दस्त के सवा सौ केस सामने आ चुके हैं । केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने फोन कर अधिकारियों से कलोल में फैल रहे हैजा के पीड़ितों का हालचाल पूछा । इसके बाद जिला कलक्टर हरकत में आए और जिले के अधिकारियों से चर्चा कर पीड़ितों के उपचार व स्वच्छ पानी की व्यवस्था का जायजा लेने खुद मौके पर पहुंचे । कलोल के रेलवे पूर्व विस्तार के वार्ड चार व ११ में लंबे समय से गंदे व बदबूदार पानी की शिकायत की जा रही थी, लेकिन प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा था । बीते दो सप्ताह में कलोल में उल्टी व दस्त के केस बढ़ने लगे तथा तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई । अब तक उल्टी-दस्त के सवा सौ से अधिक केस सामने आ चुके हैं । इसके बाद प्रशासन हरकत में आया तथा कलोल नगर पालिका के दो किमी क्षेत्र को हैजा ग्रस्त घोषित किया गया । पीड़ितों के उपचार के लिए गांधीनगर सिविल अस्पताल में भी विशेष वार्ड बनाया गया है । इसके अलावा कलोल में चाय, पान, मांस की दुकानों को बंद करा दिया गया तथा पानी के पाउच बेचने पर भी रोक लगा दी । पालिका के ११० स्वास्थ्यकर्मियों की ५५ टीमें बनाईं, जो घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं, ३०३ पानी के नमूने लिए गए हैं । गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर बताया कि उनके गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आने वाले कलोल के कुछ इलाकों में हैजा के केस मिलने की जानकारी मिली है । इस संबंध में जिला कलक्टर व स्वास्थ्य अधिकारी से बात कर उन्होंने त्वरित इसके फैलाव को रोकने तथा प्रभावित लोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं । अमित शाह के फोन के बाद राज्य का स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह अलर्ट है तथा कलोल में फैले हैजा पर नियंत्रण के लिए विभाग के आला अधिकारियों को काम पर लगाया है । गुजरात में १२ जुलाई को अमित शाह का जगन्नाथ मंदिर की मंगला आरती में शामिल होने का कार्यक्रम है । इसके अलावा वह राष्ट्रीय रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे । ११ जुलाई को शाह अहमदाबाद पहुंचेंगे ।

3 में से 2 भारतीय अगले साल यूलिप में निवेश करने का इरादा रखते हैं: बजाज आलियांज लाइफ सर्वे

सूरत। बजाज आलियांज लाइफ, भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, ने आज यूलिप (यूनिट-लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान) के प्रति भारतीयों के बदलते रवैये पर एक अध्ययन जारी किया। अध्ययन के मुताबिक, हर 3 में से 2 भारतीय अगले साल यूलिप में निवेश करने का इरादा रखते हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि महामारी की पहली लहर के बाद 10 में से 9 निवेशकों का झुकाव यूलिप की ओर अधिक है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि यूलिप खरीदने की मुख्य प्रेरणा जीवन के दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करना है। इसके अलावा, यूलिप निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रेरक है - निवेश के प्रबंधन में लचीलापन। यूलिप में निवेश करने के लिए 40त्न से अधिक यूलिप निवेशक जोखिम के आधार पर फंड चुनने के लचीलेपन को मुख्य प्रेरक कारक मानते हैं। 3 में से 1 निवेशक के लिए फंड स्विच करने और आंशिक फंड निकालने का लचीलापन महत्वपूर्ण है।

सर्वेक्षण पर बजाज आलियांज लाइफ के मुख्य विपणन अधिकारी चंद्रमोहन मेहरा ने कहा, "सर्वेक्षण सभी उम्र, आय और क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के बीच यूलिप के प्रति एक उच्च प्रवृत्ति को इंगित करता है।ज्ज यूलिप खरीदने की मुख्य प्रेरणाएँ हैं - लंबे समय में उच्च रिटर्न, फंड को स्विच करने या निकालने की सुविधा, साथ ही जीवन बीमा का अतिरिक्त लाभ। उपभोक्ता जीवन बीमा को अपने दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने के सबसे पसंदीदा साधनों में से एक मानते हैं।"

बोर्ड ने दुरंतो के हॉल्ट सहित १० सालों से लंबित मांगों की लिस्ट मांगी

सूरत-महुवा एक्सप्रेस को डेली करने और उत्तर भारत की ओर जाने वाली कई ट्रेनों को रेगुलर करने की संभावना है

सुरत । सूरत की सांसद दर्शना जरदोष के रेलवे राज्यमंत्री बनते ही रेलवे एक्शन में आ गई है । रेलवे बोर्ड ने सूरत से दुरंतों ट्रेनों के हॉल्ट सहित पिछले १० वर्षों से लंबित मांगों की लिस्ट मंगाई है । अब तक रेलवे लगातार ऑपरेशनल कारणों का हवाला देते हुए इन मांगों को खारिज करती आ रही है । जल्द ही सूरत स्टेशन पर सभी दुरंतो ट्रेनों का हॉल्ट शुरू हो सकता है । इसके अलावा सूरत-महुवा एक्सप्रेस को डेली करने और उत्तर भारत की ओर जाने वाली कई ट्रेनों को रेगुलर करने की संभावना है । रेलवे बोर्ड लंबित मांगों की नए सिरे से समीक्षा करेगा । सूरत रेलवे स्टेशन ए-१ कैटेगरी में आता है । यहां दुरंतो ट्रेनों के ठहराव की मांग पिछले १० वर्षों से की जा रही है । दर्शना जरदोष ने सांसद के तौर पर संसद में कई बार सूरत से जुड़े रेल के मुद्दे उठाए हैं । हाल ही में उन्होंने दुरंतो और संपर्क क्रांति ट्रेनों के हॉल्ट, महुवा ट्रेन को रेगुलर करने और लोकल ट्रेनें बढ़ाने, सूरत को मंडल बनाने और यहां डीआरएम नियुक्ति की मांग की थी । रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बोर्ड ने गुरुवार को पश्चिम रेलवे से सूरत की लंबित मांगों की लिस्ट मांगी । इसके अलावा दुरंतो एक्सप्रेस के बारे में कहा कि सूरत में इन ट्रेनों को कैसे और कब से ठहराव दिया जा सकता है, इसका एक शेड्यूल बनाकर दें । उसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी । २०१८ की समीक्षा में पाया था कि मुंबई से रवाना होने वाली दुरंतो ट्रेनें १००% ऑक्युपेंसी के साथ नहीं चल रही हैं । इससे खाली सीटों के साथ नुकसान हो रहा है । सूरत में हॉल्ट मिले तो सीटें भर सकती हैं ।

सवाणी द्वारा कांग्रेस पर हार्दिक का कैरियर खत्म करने का आरोप

युवक कांग्रेस ने सवाणी को तुरंत प्रभाव से उपाध्यक्ष पद से हटाने के साथ पार्टी से भी निष्कासित कर दिया

अहमदाबाद । गुजरात प्रदेश युवक कांग्रेस के उपाध्यक्ष निखिल सवाणी ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल का राजनीतिक कैरियर खत्म करने की साजिश का आरोप लगाया है । युवक कांग्रेस ने सवाणी को तुरंत प्रभाव से उपाध्यक्ष पद से हटाने के साथ पार्टी से भी निष्कासित कर दिया । सवाणी ने बताया कि गुजरात कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है तथा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल का राजनीतिक कैरियर खत्म करने की साजिश कांग्रेस के ही नेता कर रहे हैं । उनका आरोप है कि पार्टी पैसा एकत्र करने के लिए ही सदस्यता अभियान चलाती है । एनएसयूआइ व युवक कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव भी पैसों के दम पर जीते जाते हैं । उनका आरोप है कि कांग्रेस में राजा का बेटा ही राजा बनने की परंपरा है । आम कार्यकर्ता को आगे नहीं बढ़ने दिया जाता है । गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चावडा, नेता विपक्ष परेश धनाणी, पूर्व केंद्रीय मंत्री भरत सिंह सोलंकी आदि नेताओं की हाजिरी में गत दिनों प्रदेश कार्यालय पर हुई एक बैठक में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक गुलाब सिंह राजपूत व उपाध्यक्ष निखिल सवाणी के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं हो गई थी । सवाणी सहित छह कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस दिया गया था । सवाणी ने पत्रकार वार्ता करने का एलान किया तो उससे पहले गुरुवार शाम को ही युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हेमंत ओगले ने बिना कोई कारण बताए उन्हें उपाध्यक्ष पद से हटाने के साथ पार्टी से भी निष्कासित कर दिया । आम आदमी पार्टी गुजरात युवा अध्यक्ष महिपत सिंह चौहाण ने अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया है । चौहाण का कहना है कि वे पार्टी के प्रोटोकोल में काम करने को तैयार नहीं है । आप में प्रोटोकोल के नाम पर युवाओं को काम करने से रोका जाता है तो वे अध्यक्ष नहीं रह सकते हैं । चौहाण पूर्व में सरपंच रह चुके हैं तथा कुछ दिन पहले ही आप में शामिल हुए और उन्हें युवा अध्यक्ष नियुक्त किया गया, लेकिन प्रदेश व जिला संगठन से चर्चा किए बिना युवाओं को आप में शामिल करने से रोका गया तो उन्होंने अध्यक्ष पद ही छोड़ दिया व बतौर कार्यकर्ता काम करने की घोषणा की ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)